RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 243 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 03-04-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हिमंत 'सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री' : राहुल गांधी

6 एआई का उदय, इंसानों का पतन

7 सुबह सही तो सब सही : सामंथा रूथ प्रभु

फर्स्ट टेक

निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु के लिए नए डीजीपी की नियुक्ति की

चेन्नई/भाषा। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी संदीप राय राठौर को तमिलनाडु का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया। वह प्रभारी डीजीपी और पुलिस बल प्रमुख जी वेंकटरमन का स्थान लेंगे। शंकर जीवाल की सेवानिवृत्ति के बाद से वेंकटरमन सितंबर 2025 से तमिलनाडु के कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक और पुलिस प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। वर्ष 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी राठौर को राज्य में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नया डीजीपी और पुलिस बल प्रमुख नियुक्त किया गया है। इससे पहले वे चेन्नई में डीजीपी प्रशिक्षण थे।

रिजर्व बैंक के कदमों से रुपया 156 पैसे मजबूत होकर 93.14 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के कड़े कदमों के बाद बृहस्पतिवार को रुपए में कई वर्षों की सबसे बड़ी एकदिवसीय तेजी दर्ज की गई और यह अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 156 पैसे मजबूत होकर 93.14 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.62 के भाव पर खुला और कारोबार के दौरान 188 पैसे चढ़कर 92.82 के उच्चस्तर तक पहुंच गया। हालांकि, सत्र के अंत में यह 156 पैसे यानी 1.6 प्रतिशत की बढ़त के साथ 93.14 प्रति डॉलर पर रहा। इससे पहले, रुपया सोमवार को 95 के स्तर के पार चला गया था। शुक्रवार को यह 94.84 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ था। हालांकि, उसके बाद आरबीआई की तरफ से उठाए गए कई कदमों ने इसे समर्थन दिया।

एयरटेल बना दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा मोबाइल सेवा प्रदाता

नई दिल्ली/भाषा। भारती एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है। कंपनी ने जीएसएमए के आंकड़ों का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (जीएसएमए) दुनिया भर के मोबाइल संचालकों और संबंधित कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रमुख संगठन है। कंपनी बयान के अनुसार, 'जीएसएमए इंटेलिजेंस' के मुताबिक मोबाइल ग्राहक आधार के लिहाज से भारती एयरटेल वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। कंपनी भारत तथा अफ्रीका में सेवाएं देती है।

03-04-2026 सूर्यास्त 6:31 बजे | 04-04-2026 सूर्योदय 6:14 बजे

BSE	NSE
73,319.55 (+185.23)	22,713.10 (+33.70)

सोना	चांदी
15,338 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	242,075 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

डिबेटिए एंकर

चैनल पर पैनल वालों से,
एंकर की भाषा तू तड़ाक।
किससे सुनना या ना सुनना,
इस पर वे रहते हैं अड़ाक।
पूर्वाग्रह रखते मुद्दे पर,
भाषा संभाषण में भड़ाक।
उनके मत से यदि हुए भिन्न,
बन जाते वे तगड़े लड़ाक।।

'नागरिक प्रथम' मंत्र को अपनाने की आवश्यकता : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ हमारी शासन व्यवस्था यह सुनिश्चित करे कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में दिन-प्रतिदिन सुधार हो। यही हमारा सच्चा मानदंड है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने के लिए तेजी से बदलते समय के साथ शासन व्यवस्था को लगातार अद्यतन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश के प्रशासन का मूल मंत्र 'नागरिक देवो भव:' है और सार्वजनिक सेवा को नागरिकों की जरूरतों के प्रति अधिक सक्षम और संवेदनशील बनाने के लिए पुनर्गठित किया जा रहा है।

मोदी ने 'साधना सप्ताह' कार्यक्रम की शुरुआत पर एक वीडियो संदेश में कहा, ''शासन को अब सही मायने में नागरिक-केंद्रित बनाकर एक नई पहचान दी जा रही है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिकों के जीवन की सुगमता और गुणवत्ता में सुधार के लिए शासन व्यवस्था ही मानदंड होनी चाहिए और उन्होंने लोक सेवकों से प्रतिदिन कुछ नया सीखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''हमारी शासन व्यवस्था यह सुनिश्चित करे कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में दिन-प्रतिदिन सुधार हो। यही हमारा सच्चा मानदंड है।''

प्रशासनिक संस्कृति में बुनियादी बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पुरानी व्यवस्था में 'अधिकारी' होने पर अत्यधिक जोर दिया जाता था, जबकि आज देश का ध्यान पूरी तरह कर्तव्य भावना पर केंद्रित है। उन्होंने लोकसेवकों को संबोधित करते हुए कहा, ''हर निर्णय से पहले यदि आप यह सोचें कि आपका कर्तव्य क्या मांगता है, तो आपके निर्णयों का प्रभाव खुद कई गुना बढ़ जाएगा।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्थाओं के बीच भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और उसे अपनी शासन प्रणाली को लगातार अद्यतन करते रहना होगा।

लोकसेवकों को यह याद दिलाते हुए कि आम नागरिक के लिए स्थानीय सरकारी दफ्तर ही पूरे शासन का चेहरा होता है, मोदी ने कहा कि अधिकारियों की कार्यशैली और व्यवहार लोकतंत्र और संवैधानिक संस्थाओं में जनता के विश्वास को सीधे प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा, ''हम जो भी करें, जिस भी स्तर पर करें, हमें उस विश्वास की रक्षा करनी चाहिए; यही हमारे लोकतंत्र की नींव है।''

भारत की संघीय व्यवस्था का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि देश की सफलता उसके सभी राज्यों की सामूहिक सफलता है। उन्होंने ''अग्रणी राज्य'', ''पिछड़े राज्य'' और ''बीमारू राज्य'' जैसी पुरानी श्रेणियों को समाप्त करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

पाकिस्तान कोई भी 'दुस्साहस' करता है तो हमारी सेना मुंहतोड़ जवाब देगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है।

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई है।

तिरुवनंतपुरम/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि मौजूदा हालात में पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की ''दुस्साहसिक हरकत'' का जवाब ''अभूतपूर्व और निर्णायक'' कार्रवाई से दिया जाएगा।

चुनावी राज्य केरल में सैनिक सम्मान सम्मेलन में सिंह ने कहा कि अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद, भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को 22 मिनट के भीतर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और यह आतंकवाद के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान था।

सिंह ने कहा, ''मैं आपको बताना चाहता हूं कि अभियान अभी खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान ने दोबारा ऐसी घिनौनी हरकतें कीं, तो हमारी सेना उन्हें ऐसा मुंहतोड़ जवाब देगी, जिसे वे कभी नहीं भूलेंगे। इस बार जो होगा वह अभूतपूर्व होगा।''

सिंह ने कहा कि मौजूदा हालात में ''हमारा पड़ोसी (पाकिस्तान) कोई भी दुस्साहस कर सकता है।'' उन्होंने कहा, ''अगर वह ऐसा करता है, तो जैसा मैंने आपको बताया, भारत की कार्रवाई अभूतपूर्व और निर्णायक होगी।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सुरक्षा मजबूत हुई है और सरकार के रवैये और कार्यप्रणाली में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यह बात 'ऑपरेशन सिंदूर' से स्पष्ट है। अप्रैल 2025 में हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने यह अभियान चलाया था।

होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधानों के कारण क्षेत्र में ऊर्जा अस्थिरता उत्पन्न हुई है : नौसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल डी के त्रिपाठी ने बृहस्पतिवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के कारण क्षेत्र में गंभीर आर्थिक प्रभाव और ऊर्जा अस्थिरता उत्पन्न हुई है।

अपतटीय गश्ती पोत आईएनएस 'सुनयना' के मुंबई तट से प्रस्थान करने से संबंधित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि समुद्री प्रतिस्पर्धा अब केवल तेल और ऊर्जा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका दायरा उन संसाधनों तक फैल रहा है जो भविष्य के विकास को आकार देंगे।

पश्चिम एशिया में संकट 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर संयुक्त हमले के बाद शुरू हुआ था।

ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसकी नाकेबंदी ने बड़े स्तर पर ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित कर दिया है।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, ''पश्चिम एशिया में संघर्ष के पांचवें सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही, होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधानों ने क्षेत्र में गंभीर आर्थिक प्रभाव और ऊर्जा अस्थिरता पैदा कर दी है।'' उन्होंने कहा कि समुद्री सर्वेक्षण और समुद्र में अनुसंधान गतिविधियों में काफी वृद्धि हुई है।

हनुमान जयंती

गुरुवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हनुमान जयंती के अवसर पर आयोजित शोभायात्रा में भगवान हनुमान के रूप में सजा एक व्यक्ति भाग लेते हुए।

किसी भी हमले पर पाकिस्तान का जवाब 'त्वरित और निर्णायक' होगा : ख्वाजा आसिफ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बृहस्पतिवार को चेतावनी दी कि किसी भी हमले के जवाब में उनका देश ''त्वरित और निर्णायक'' कार्रवाई करेगा।

आसिफ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान की पृष्ठभूमि में 'एक्स' पर यह टिप्पणी की। सिंह ने कहा है कि मौजूदा हालात में पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की ''दुस्साहसिक हरकत'' का जवाब ''अभूतपूर्व और निर्णायक'' कार्रवाई से दिया जाएगा। चुनावी राज्य केरल में सैनिक सम्मान सम्मेलन में सिंह ने कहा कि अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद, भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद, भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को 22 मिनट के भीतर घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया और यह आतंकवाद के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा अभियान था।

आसिफ ने कहा, ''बार-बार दोहराई जाने वाली बयानबाज़ी ताकत नहीं, बल्कि पहलगाम हमले की बरसी नजदीक आने के साथ स्पष्ट रणनीतिक बेचैनी को दर्शाती है।''

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने कहा, ''इस तरह की धमकियां देना कोई नयी बात नहीं है। यह एक अनुमानित पैटर्न का हिस्सा है-आंतरिक कमजोरी को बाहरी रूप देना, और निहित राजनीतिक हितों के लिए निराधार आरोपों की आड़ में तनाव बढ़ाने का प्रयास करना।''

जन विश्वास विधेयक को मिली संसद की मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। देश के कारोबारी माहौल को और बेहतर बनाने के लिए छोटे-मोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और उन्हें तर्कसंगत बनाने के वास्ते 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव करने वाले जन विश्वास विधेयक को बृहस्पतिवार को संसद की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा में विधेयक पर हुई चर्चा का वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा जवाब देने के बाद 'जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक 2026' को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। लोकसभा में यह विधेयक एक दिन पहले पारित हुआ था। गोयल ने कहा कि जन विश्वास विधेयक का उद्देश्य भरोसे की एक संस्कृति बनाना है और ''विश्वास की संस्कृति'' भय के आधार पर नहीं, बल्कि विश्वास के आधार पर बनेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रस्तावित कानून को इसी सोच के साथ लाया जा रहा है कि विश्वास के साथ विकसित भारत बनाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून में सबसे बड़ा यह प्रावधान किया गया है कि यह ''आपको सुधरने का मौका देता है।''

भाजपा किसी धर्म या भाषा के खिलाफ नहीं

विविधता में एकता ही हमारी विशेषता : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा किसी भी जाति, धर्म या भाषा के खिलाफ नहीं है और विविधता में एकता ही हमारी विशेषता है।

असम के पलाशबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विशिष्ट धर्म के लोगों को मतदान का अधिकार देने में दी गई छूट संविधान के मार्गदर्शन के अनुसार है।

गडकरी ने कहा, भाजपा किसी जाति, क्षेत्र, धर्म या भाषा के खिलाफ नहीं है। विविधता में एकता ही हमारा मूलमंत्र है। लेकिन जो विदेशी नागरिक आते हैं, क्या उन्हें मतदान का अधिकार दिया जाना चाहिए? फिर आप सबका क्या होगा?

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि संविधान इस संबंध में मार्गदर्शन प्रदान करता है क्योंकि सिख, हिंदू, बौद्ध, जैन निर्वासित हैं और उनका कोई दूसरा देश नहीं है।

वह स्पष्ट रूप से संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) के तहत पड़ोसी देशों से उत्पीड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों को दी गई नागरिकता का जिक्र कर रहे थे।

गडकरी ने कहा कि मतदान का अधिकार हालांकि अन्य विदेशियों को नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले एक दशक में असम को पूरी तरह से बदल दिया है, और सत्ता में वापस आने पर और भी तेज प्रगति का वादा किया।

असम में विधानसभा चुनाव नौ अप्रैल को होंगे। मतगणना चार मई को होगी।

अमेरिका में तरजीही बाजार पहुंच चाहता है भारत : गोयल

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपने उत्पादों के लिए अमेरिका में तरजीही बाजार पहुंच चाहता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ भारत के संबंध बहुत मजबूत हैं और प्रौद्योगिकी, रक्षा, व्यापार तथा निवेश जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच गहरी रणनीतिक साझेदारी है। गोयल ने संवाददाताओं से कहा, '' हमारे संबंध बहुत मजबूत हैं। प्रौद्योगिकी, रक्षा, व्यापार व निवेश सहित कई क्षेत्रों में हमारी गहरी रणनीतिक साझेदारी है। हमारा मानना है कि भारत को तरजीही बाजार पहुंच मिलनी चाहिए।'' उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में अमेरिका के साथ भारत का व्यापार समझौता बेहतर स्थिति में है। अमेरिका के साथ व्यापार बढ़ाने के मामले में भारत बेहद अनुकूल स्थिति में है। मंत्री ने कहा, '' दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के कारण भारत निवेशकों के लिए बड़े अवसर प्रदान करता है और भविष्य में अधिक संख्या में एवं अधिक मूल्य के साथ निवेशक भारत की ओर आकर्षित होंगे।''

ईरान ने इजराइल और खाड़ी देशों पर मिसाइल हमले किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान ने बृहस्पतिवार को इजराइल और खाड़ी के अरब देशों पर और मिसाइलें दागकर यह संकेत दिया कि वह फिलहाल हमले नहीं रोकेगा जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान से खतरा लगभग खत्म हो चुका है और युद्ध जल्द खत्म हो जाएगा।

पड़ोसी देशों पर ईरान के हमलों और होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसके नियंत्रण से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है, जिसका असर पश्चिम एशिया के साथ-साथ दुनियाभर में देखा जा रहा है।

युद्ध में यह ईरान की सबसे बड़ी रणनीतिक बढ़त साबित हुई है। ब्रिटेन इस जलडमरूमध्य को फिर से खुलवाने के तरीकों पर 30 से अधिक देशों के साथ चर्चा करने की योजना बना रहा है। इस क्षेत्र से दुनियाभर में लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति होती थी।

ट्रंप ने जोर देकर कहा कि इस जलडमरूमध्य को बलपूर्वक खोला जा सकता है लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि यह काम अमेरिका का नहीं है।

ईरान में जल्द ''काम खत्म करेगी'' अमेरिकी सेना : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा कि अमेरिकी सेना ईरान में जल्द ही ''काम खत्म कर देगी क्योंकि मुख्य रणनीतिक उद्देश्य पूरे होने वाले हैं।'' ट्रंप ने इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले करने के करीब एक महीने बाद राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में अपने इस कदम का बचाव किया। अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर 28 फरवरी, 2026 को पहली बार हमला किया था जिसके बाद ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की और पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हो गया।

पाकिस्तान अमेरिका-ईरान वार्ता की मेजबानी करने को तैयार : विदेश कार्यालय

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के व्यापक एवं स्थायी समाधान के लिए अमेरिका और ईरान के बीच सार्थक वार्ता की मेजबानी और सुविधा प्रदान करना उसके लिए सम्मान की बात होगी। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के उस बयान के दो दिन बाद आयी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस्लामाबाद अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए ''सार्थक और निर्णायक वार्ता'' कराने के लिए तैयार है।

मुडलपाल्या में मनाई गई रामनवमी और हनुमान जन्मोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्रीराम सेवा समिति मुडलपाल्या के सदस्यों ने गुरुवार को महावीर हार्डवेयर के सामने रामनवमी व हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। सर्वप्रथम भगवान श्रीराम व हनुमानजी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर आरती की गई। उसके बाद हजारों लोगों को पानका, पेयजल, छाछ व भात का वितरण किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गोविन्दराजनगर क्षेत्र के रक्षण वेदिके के अध्यक्ष लोकेश गौड़ा, समाजसेवी नेमाराम सैंणचा, चुन्नीलाल परिहार आदि ने सभी को रामनवमी व हनुमान जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर समिति के नरेंद्र गहलोत, दिलीप भायल, चेतन चोयल, प्रवीण गहलोत, नरेन्द्र गहलोत आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रद्धासुमन

साध्वीश्री रत्नत्रयाश्रीजी की पांचवी पुण्यतिथि के अवसर पर उनके अंतिम संस्कार स्थल बेंगलूरु के टुमकूर रोड स्थित बुद्धिहाल स्थित चंद्रप्रभु गौशाला में जाकर भीनमाल निवासी लेखराज दोशी, राजेश सालेचा, राजेश वाणीगोता एवं जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने साध्वीवर्या को याद कर उन्हें श्रध्दासुमन अर्पित किए और पुण्यतिथि निमित गायों को हरा घास, गुड़ खिला कर गौसेवा की।

केरल में भाजपा की लहर दिख रही, लोग यूडीएफ-एलडीएफ से तंग आ चुके हैं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं से कहा कि तिरुवनंतपुरम में स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी को मिली सफलता नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के लिए बढ़ते समर्थन की लहर को दर्शाती है।

मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुए संवाद में कहा कि यह स्पष्ट है कि इस बार केरल न केवल एक नई सरकार, बल्कि एक नई व्यवस्था भी चुनने जा रहा है। उन्होंने कहा, इस चुनाव में भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लहर है। तिरुवनंतपुरम ने एक नई मिसाल कायम की है। अब तक वाम दलों और कांग्रेस दोनों का मानना था कि कुशासन या कुप्रबंधन की परवाह किए बिना वे बारी-बारी से सत्ता में आ सकते हैं। हालांकि, तिरुवनंतपुरम ने इस धारणा को चकनाचूर कर दिया है। मोदी ने कहा, नतीजतन, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) अब एक-दूसरे पर हमले करने के बजाय भाजपा को निशाना बना रहे हैं... लोग यूडीएफ और एलडीएफ द्वारा की जा रही लूट से तंग आ चुके हैं। संवाद में प्रधानमंत्री ने मौके पर खरा उतरने के महत्व को रेखांकित किया और इस बाबत केरल के क्रिकेट खिलाड़ी संजू सैमसन का उदाहरण दिया। मोदी ने कहा, हम अक्सर संजू सैमसन के प्रदर्शन में यह देखते हैं। विश्व कप के दौरान, जब टूर्नामेंट अपने निर्णायक नॉकआउट चरणों में पहुंचा, तो उनका प्रदर्शन चरम पर था। शुरू से अंत तक, उनका ध्यान, आत्मविश्वास और जोश लगातार बढ़ता गया-जो एक सच्चे खिलाड़ी की पहचान है। एक महान खिलाड़ी हमेशा तब बेहतरीन प्रदर्शन करता है, जब उसकी टीम को उसकी सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, इसी तरह, मतदान के दिन हर परिवार से संपर्क स्थापित करने के हमारे प्रयास और भी मजबूत होने चाहिए। यही वह समय है, जब आपका समर्पण सबसे अधिक मायने रखता है। सफलता सुनिश्चित करने के लिए आपको अतिरिक्त समय देने की जरूरत पड़ सकती है।

संस्कार शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जयगच्छीय आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डा. पद्मचंद्रजी की प्रेरणा से संस्थापित जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन राजाजीनगर की ओर से स्थानक भवन में पाँच वर्ष से अविवाहित बच्चों के लिए जयमल पांच दिवसीय जैन संस्कार शिविर का शुभारंभ हुआ। मंडल की अध्यक्ष संतोष ललवानी, मंत्री संगीता बोहरा , कोषाध्यक्ष पायल मेहता आदि व्यवस्था संभाली। शिविर में 125 बच्चों की उपस्थिति थी।

एनईपी 2020 को आकार देने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शक बनी विद्या भारती: धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को कहा कि शैक्षिक संगठन विद्या भारती ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 बनाने में सरकार की सहायता की है। नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में यहां विद्या भारती के एक कार्यक्रम में प्रधान ने कहा, विद्या भारती पूरे शिक्षा तंत्र में सिर्फ एक छोटा हिस्सा है, लेकिन वह बहुत कीमती और महत्वपूर्ण है।

प्रधान ने कहा कि वह पिछले पांच साल से शिक्षा विभाग से जुड़े हुए हैं और जब भी पाठ्यपुस्तकों, पढ़ाई के माध्यम, भाषा या सामाजिक विकास से जुड़े निर्णय लिए गए, तब विद्या भारती एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु बना।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने एनईपी 2020 लागू किया और विद्या भारती इस मामले में एक प्रेरणास्रोत रही।

उन्होंने कहा, मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि विद्या भारती राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रेरणास्रोतों में से एक रही है। विद्या भारती के मूल्यों, कौशल विकास और पढ़ाई के तरीकों को अब राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया गया है।

डब्ल्यूटीओ बैठक में विकास के लिए निवेश सुगम बनाने के समझौते का भारत ने किया विरोध : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि हाल में कैमरून में संपन्न विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की बैठक में, भारत ने विकास के लिए निवेश सुगम बनाने के समझौते पर चीन के नेतृत्व वाले प्रस्ताव का विरोध करने में अकेले ही कदम उठाया। उन्होंने कहा कि 'सही बात के लिए अकेले खड़े रहना, दिखावे के लिए भीड़ में शामिल होने से बेहतर है।'

विकास के लिए निवेश सुगम बनाने (आईएफडी) के समझौते का प्रस्ताव सबसे पहले 2017 में चीन और अन्य देशों ने रखा था। यह चीनी निवेश पर अत्यधिक निर्भर है। सरकारी संपत्ति कोष वाले देश भी इस समझौते के पक्षकार हैं। कैमरून के याउंडे में आयोजित 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में, भारत को छोड़कर, सभी देशों ने इस समझौते का समर्थन किया। यह समझौता वैश्विक मानदंड प्रदान करता है ताकि समझौते के पक्षकार देशों के निवेश और व्यापार के माहौल को बेहतर बनाने और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में निवेशकों के लिए निवेश करना, दैनिक कारोबार और अपने संचालन का विस्तार करना आसान बनाने के प्रयासों का समर्थन किया जा सके। भारत इस विवादास्पद मुद्दे के खिलाफ अकेले खड़ा रहेगा और डब्ल्यूटीओ रूपरेखा में अनुबंध चार समझौते के रूप में शामिल करने पर सहमति नहीं है। विश्व व्यापार संगठन समझौते के अनुबंध चार में कुछ सदस्यों वाले व्यापार समझौते शामिल हैं जो अनिवार्य बहुपक्षीय समझौतों के विपरीत, केवल उन डब्ल्यूटीओ सदस्यों पर बाध्यकारी हैं जिन्होंने उन्हें स्वीकार किया है।

गोयल ने कहा, ''कभी-कभी जीवन में अकेले चलना पड़ता है और इसीलिए मैंने डब्ल्यूटीओ में विकास के लिए निवेश सुविधा पर अपनी बातचीत महात्मा गांधी के दर्शन से शुरू की। उनका कहना है कि जब आप सही के लिए खड़े होते हैं, तो भीड़ में खड़े होकर अच्छा दिखने से बेहतर है अकेले खड़े रहना।'' भारत के हितों और डब्ल्यूटीओ के बहुपक्षीय स्वरूप और सर्वसम्मति निर्माण के दृष्टिकोण की रक्षा करना महत्वपूर्ण है। गोयल ने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि हम उन मुद्दों को डब्ल्यूटीओ समझौते में शामिल न होने दें जो डब्ल्यूटीओ को मिली जिम्मेदारी का हिस्सा नहीं हैं। इसलिए भारत अपने सिद्धांतों और जो सही है उस पर कायम रहा।

संसद का बजट सत्र बढ़ा, 16 अप्रैल को होगी अगली बैठक

नई दिल्ली/भाषा। महिला आरक्षण विधेयक पारित करने के लिए बृहस्पतिवार को संसद का वर्तमान बजट सत्र बढ़ा दिया गया और अब लोकसभा तथा राज्यसभा की अगली बैठक 16 अप्रैल को होगी। सूत्रों ने बताया कि दोनों सदनों की तीन दिवसीय बैठक 16 से 18 अप्रैल के बीच हो सकती है। पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, संसद का वर्तमान बजट सत्र बृहस्पतिवार को ही संपन्न होना था। सूत्रों के अनुसार, सरकार वर्तमान बजट सत्र में अगले तीन दिनों की कार्यवाही के दौरान महिला आरक्षण से संबंधित नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन से जुड़ा विधेयक ला सकती है।

सरकार ने कई दलों के साथ जिस मसौदे को लेकर मंथन किया है, उसके अनुसार महिला आरक्षण लागू करने के साथ ही लोकसभा में सीटों की संख्या 543 से बढ़ाकर 816 की जानी है और इनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा को सूचित किया कि सदन की बैठक आज स्थगित होगी और जल्द ही ''बहुत महत्वपूर्ण'' विधेयक के लिए पुन: बैठक होगी। सरकार के फैसले और फिर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन से उसके अनुरोध के आधार पर दोनों सदनों की बैठकें 16 अप्रैल तक स्थगित कर दी गईं।

बिरला ने लोकसभा में कहा, ''मुझे संसदीय कार्य मंत्री की ओर से आज एक अनुरोध प्राप्त हुआ है। उसके अनुसार हम 16 अप्रैल को फिर मिलेंगे, उस समय आवश्यक सरकारी कामकाज होगा। उस समय प्रश्नकाल, शून्यकाल और कोई गैर-सरकारी कामकाज नहीं होगा।'' इसके बाद उन्होंने सदन की बैठक 16 अप्रैल पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सदन की बैठक 16 अप्रैल पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित की।

इस बीच विपक्ष के कई नेताओं ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सरकार ने उन्हें सूचित किया है कि बजट सत्र में आगे 16 से 18 अप्रैल तक तीन बैठकें होंगी।

नारा लोकेश ने लोकसभा में अमरावती विधेयक पारित होने पर प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/नई दिल्ली/भाषा। आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने बृहस्पतिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की और अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी के रूप में मान्यता देने वाले विधेयक के लोकसभा में पारित होने पर उन्हें धन्यवाद दिया।

लोकेश ने कहा कि उन्होंने करोड़ों आंध्र प्रदेश वासियों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। मैंने संसद में अमरावती विधेयक पारित होने पर करोड़ों आंध्र प्रदेश वासियों की ओर से हार्दिक आभार व्यक्त किया।''

लोकेश ने कहा, ''मैंने हमारे किसानों की असाधारण कहानी भी साझा की, जिन्होंने अमरावती के सपने को जीवित रखने के लिए अपार बलिदान दिए और वर्षों की अनिश्चितता के बावजूद दृढ़ता से डटे रहे।'' विधेयक के कानून बन जाने के बाद, दो जून, 2024 से अमरावती आंध्र प्रदेश की स्थायी राजधानी होगी।

गुजरात महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित राज्य है : संघवी

गांधीनगर/भाषा। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने अपने राज्य को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित बताया और कहा है कि अन्य राज्यों की स्थिति सभी को पता है।

वह बुधवार रात को स्थानीय (गांधीनगर उत्तर) विधायक रीता पटेल द्वारा आयोजित गांधीनगर उत्तर प्रीमियर लीग 2026 (जीएनपीएल) के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। संघवी ने कहा, ''नवरात्रि उत्सव के दौरान गुजरात की महिलाएं देर रात तक भी सुरक्षित महसूस करती हैं। गरबा का आनंद लेने के बाद वे निडर होकर घर लौटती हैं। गुजरात महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित राज्य है। अन्य राज्यों की स्थिति तो हम सभी जानते हैं।'' उन्होंने राज्य में 26 अप्रैल को होने वाले स्थानीय निकायों के चुनावों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''चुनाव की तारीख घोषित हो चुकी है। अब वोट डालने और उन सभी लोगों को जवाब देने का समय आ गया है जो हमारे राज्य को बदनाम करने और इसकी सुरक्षा पर सवाल उठाने की कोशिश करते हैं।''

बीआरएस विधायक ने मच्छरदानी से बनी पोशाक पहनकर की प्रेसवार्ता

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में मच्छरों के बढ़ते प्रकोप को उजागर करने के लिए विपक्षी पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक डी. सुधीर रेड्डी ने मच्छरदानी से बनी पोशाक पहनकर बृहस्पतिवार को प्रेसवार्ता को संबोधित किया। विधायक डी. सुधीर रेड्डी ने मच्छरों के प्रसार को रोकने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार पर हमला किया और शहर के प्रत्येक वार्ड के लिए कम से कम 10 'फॉगिंग मशीन' उपलब्ध कराने तथा कीटनाशकों के मैनुअल और ड्रोन से छिड़काव करने और तालाब व नालों आदि में मच्छरों का लार्वा खाने वाली गंबूसिया मच्छली छोड़ने सहित अन्य उपाय करने की मांग की।

यहां एल बी नगर से बीआरएस विधायक सुधीर रेड्डी ने कहा, ''मैं यह सवाल कर रहा हूं कि क्या मच्छरों के खतरे को नियंत्रित करने में सक्षम न होने वाली सरकार को सत्ता में बने रहने का अधिकार है?'' उन्होंने दावा किया कि विधानसभा परिसर में सुरक्षाकर्मियों ने मनमानी की और उन्हें विशेष रूप से तैयार पोशाक न पहनने को कहा, जबकि इस संबंध में कोई आदेश नहीं था। रेड्डी ने कहा कि उन्होंने विरोध स्वरूप यह पोशाक पहनी थी।

यूपीआई ने मार्च में 22.64 अरब लेनदेन का रिकॉर्ड बनायाः डीएफएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एकीकृत भुगतान व्यवस्था (यूपीआई) के जरिये होने वाले लेनदेन की संख्या मार्च महीने में 22.64 अरब के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई।

वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। विभाग ने कहा, ''यूपीआई के जरिये मार्च 2026 में 22.64 अरब लेनदेन हुए हैं। डिजिटल भुगतान को अपनाने और इस क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए भारत का धन्यवाद। आइए, लेनदेन का तरीका बदलने की इस यात्रा को जारी रखें!''

संख्या के लिहाज से इस महीने 22.64 अरब लेनदेन हुए, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह संख्या 18.3 अरब थी, जो 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। फरवरी में यूपीआई लेनदेन की संख्या 20.39 अरब थी।

हाल ही में जारी आरबीआई के 'दो-स्तरीय सत्यापन' नियम का पालन करते हुए यूपीआई लेनदेन करना सुरक्षित होने के साथ उपयोग में भी आसान है। इसमें पहला सत्यापन बैंक से जुड़ा मोबाइल नंबर है जबकि दूसरा पहलू यूपीआई खाते का पिन है। इससे लेनदेन तेजी से होता है और अनधिकृत पहुंच से रोकथाम मिलती है।

आज भारत में होने वाले कुल डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत है। इसका असर राष्ट्रीय सीमाओं से परे भी है और इसकी वैश्विक स्तर पर वास्तविक समय में होने वाले डिजिटल भुगतान का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

यूपीआई पहले से ही संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस और कतर सहित आठ देशों में चालू है। फ्रांस में इसकी शुरुआत हो चुकी है और यह यूरोप में यूपीआई का पहला कदम है।

वैश्विक घटनाक्रम केंद्र के नियंत्रण से परे, जम्मू कश्मीर में जरूरी चीजों की कमी नहीं : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को कहा कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम केंद्र सरकार और जनता दोनों के नियंत्रण से बाहर हैं और जम्मू कश्मीर की स्थिति काफी हद तक देश की समग्र स्थिति को दर्शाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में फिलहाल ईंधन सहित आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है और अगले 10 से 15 दिनों के लिए पर्याप्त भंडार हैं।

अब्दुल्ला अपने पिता और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला के साथ पश्चिम एशिया संकट पर मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, देश के बाकी हिस्सों में जो भी स्थिति होगी, वही जम्मू कश्मीर में भी दिखेगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल चिंता का कोई कारण नहीं है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि यदि जारी संघर्ष लंबा चलता है और देश के अन्य हिस्सों में कमी होती है तो इसका प्रभाव केंद्र शासित प्रदेश तक भी फैल सकता है।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई हालिया समीक्षा बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि यह आश्वासन दिया गया है कि कई स्रोतों के माध्यम से आपूर्ति कायम रखी जा रही है। उन्होंने कहा, इस समय घबराने की कोई जरूरत नहीं है। अगर स्थिति में कोई बदलाव होता है तो हम जनता को सूचित करेंगे।

वायु सेना के तेजस विमान दो महीने के ठहराव के बाद फिर से उड़ान के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायु सेना के तेजस हल्के लड़ाकू विमान अगले सप्ताह से उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। दो महीने पहले हवाई अड्डे पर एक विमान से जुड़ी दुर्घटना के बाद पूरे बेड़े को उड़ान से रोक दिया गया था।

लड़ाकू विमानों के निर्माता हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) डी.के. सुनील ने बताया कि 34 तेजस विमानों का पूरा बेड़ा आठ अप्रैल से उड़ान भरने के लिए तैयार है, क्योंकि विमान के सॉफ्टवेयर में पाई गई खामी को दूर कर लिया गया है। उन्होंने बताया, ''सभी तेजस लड़ाकू विमान अगले बुधवार से फिर से उड़ान भरने के लिए तैयार हैं।''

फरवरी के पहले सप्ताह में एक तेजस विमान के रनवे से आगे निकल जाने के बाद इसके बेड़े को उड़ान से रोक दिया गया था। यह दुर्घटना एयरबेस पर हुई थी और संभवतः ब्रेक फेल होने के कारण हुई थी। इस घटना के बाद भारतीय वायु सेना ने विमानों की व्यापक जांच के आदेश भी दिए थे।

भारतीय वायु सेना को तेजस मार्क 1ए संस्करण की आपूर्ति में देरी के बारे में सुनील ने कहा कि एचएएल दिसंबर तक 20 से अधिक लड़ाकू विमान तैयार कर लेगी और उनमें से छह की आपूर्ति जल्द ही की जा सकती है क्योंकि रडार, एवियोनिक्स और मिसाइल-फायरिंग सिस्टम के अंतिम परीक्षण वर्तमान में जारी हैं।

लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में देरी मुख्य रूप से जीई एयरोस्पेस द्वारा एफ-404 एयरो इंजनों की आपूर्ति के लिए कई समय सीमाओं को पूरा न कर पाने के कारण हो रही है। वायु सेना द्वारा लड़ाकू विमानों के प्रदर्शन से संबंधित कुछ मुद्दों को उठाए जाने के बारे में पूछे जाने पर, एचएएल के सीएमडी ने कहा कि मई में एक परियोजना समीक्षा समिति द्वारा लड़ाकू विमानों की आपूर्ति के लिए मंजूरी दिए जाने की संभावना है।

रक्षा क्षेत्र की प्रमुख अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने एचएएल को लड़ाकू विमानों के पांच इंजन सौंपे हैं और छठा इंजन अगले कुछ दिनों में आपूर्ति किए जाने की उम्मीद है।

यह भी पता चला है कि एचएएल ने तेजस हल्के लड़ाकू विमान मार्क 1ए के इंजनों की आपूर्ति में देरी के लिए जीई एविएशन पर एक प्रावधान के तहत जुर्माना लगाया है।

अनुबंध के अनुसार जीई एयरोस्पेस पर जुर्माना लगाया जा रहा है। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए लड़ाकू विमान की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपए का समझौता किया था।

भाजपा केवल 'अमीरों का पक्ष लेती है' जबकि हम गरीबों की परवाह करते हैं : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला करते हुए धनवानों का पक्ष लेने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि उनकी कांग्रेस सरकार गरीबों के साथ मजबूती से खड़ी है। सिद्दरामय्या ने दावणगेरे दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से कहा कि भाजपा एक ऐसे आर्थिक मॉडल का समर्थन करती है जिससे अमीरों को लाभ होता है, जबकि कांग्रेस सरकार वंचितों के उत्थान के उद्देश्य से कल्याणकारी उपायों के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जारी चुनावी अभियान को लेकर जनता की प्रतिक्रिया उम्मीदों से कहीं अधिक रही है और यह मतदाताओं के बीच बढ़ती जागरूकता को दर्शाती है। उन्होंने कहा, चुनाव प्रचार में लोगों की प्रतिक्रिया हमारी उम्मीदों से कहीं बेहतर रही है। लोगों को यह एहसास हो गया है कि भाजपा चार साल सत्ता में रहने के बावजूद कुछ नहीं कर पाई।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकार ने कोई विकास कार्य नहीं किया और केवल राज्य को लूटा। सिद्दरामय्या ने सरकार की प्रमुख गारंटी योजनाओं का बचाव करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में इन्हें सफलतापूर्वक लागू किया गया है और इनसे जनता का विश्वास बहाल हुआ है। उन्होंने कहा, हम हर साल लगभग 52,000 करोड़ रुपये खर्च कर रहे हैं और 31 मार्च तक 1.31 लाख करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। इसलिए इन योजनाओं को लेकर कोई सवाल ही नहीं उठता-हम इन्हें जारी रखेंगे। उन्होंने भाजपा के इस दावे को खारिज कर दिया कि इन कार्यक्रमों से राज्य दिवालिया हो जाएगा।

उन्होंने बढ़ते कर्ज को लेकर हो रही आलोचना को खारिज करते हुए कहा कि उधारी अनुमेय सीमा के भीतर ही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र द्वारा राज्य के वित्त पर श्वेत पत्र की मांग का जवाब देते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि सभी विवरण पहले ही बजट में प्रस्तुत किए जा चुके हैं और विधानसभा में उन पर बहस हो चुकी है। उन्होंने कहा, फिर से श्वेत पत्र की मांग क्यों की जा रही है? क्या बजट स्वयं ही एक श्वेत पत्र नहीं है? उन्होंने कहा कि उन्होंने साढ़े चार घंटे से अधिक समय तक चर्चा की।

'आदित्य-एल1' मिशन के आंकड़ों का अध्ययन करने के लिए भारतीय शोधकर्ताओं से प्रस्ताव आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वह आदित्य-एल1 मिशन से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन के लिए भारतीय सौर भौतिकी समुदाय से प्रस्ताव आमंत्रित कर रहा है। आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला अंतरिक्ष-आधारित भारतीय मिशन है। आदित्य-एल1 मिशन के आंकड़ों तक भारतीय वैज्ञानिकों की पहुंच के लिए इसरो की ओर से यह दूसरी औपचारिक अपील है। इससे पहले जनवरी में अपील की गयी थी।

इसरो ने एक बयान में कहा, वर्तमान में, सार्वजनिक क्षेत्र में 27 टीबी (टेराबाइट) से अधिक डेटा उपलब्ध है, और कई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक परिणाम अंतरराष्ट्रीय अकादमिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। इस अनूठे मिशन से वैज्ञानिक लाभ को और अधिक बढ़ाने के लिए, इसरो ने आदित्य-एल1 अवलोकन समय के लिए भारतीय सौर भौतिकी समुदाय से प्रस्ताव आमंत्रित करते हुए दूसरे प्रस्ताव आमंत्रण (एओ) जारी किया है।

भारत में स्थित संस्थानों, विश्वविद्यालयों या कॉलेजों में कार्यरत भारतीय वैज्ञानिक और शोधकर्ता प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदकों को सौर विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान में संलग्न होना चाहिए और आवश्यक वैज्ञानिक और तकनीकी औचित्य के साथ सौर अवलोकन के लिए प्रमुख अन्वेषक के रूप में प्रस्ताव प्रस्तुत करने में सक्षम होना चाहिए।

इस दूसरे प्रस्ताव आमंत्रण चक्र के लिए स्वीकृत पर्यवेक्षण जुलाई और सितंबर के बीच होंगे। सितंबर 2023 में प्रक्षेपित आदित्य एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला पहला भारतीय अंतरिक्ष मिशन है। यह अंतरिक्ष यान पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर दूर सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंज बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक हेलो कक्षा में जनवरी 2024 में स्थापित हुआ था। एल1 बिंदु के चारों ओर हेलो कक्षा में स्थापित उपग्रह का प्रमुख लाभ यह है कि यह बिना किसी ग्रहण/अवरोध के सूर्य का निरंतर अवलोकन कर सकता है।

वामसी राम मोहन बुर्रा ने पावरग्रिड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार संभाला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। वामसी राम मोहन बुर्रा ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. (पावरग्रिड) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया है। इससे पहले, वे पावरग्रिड में निदेशक (परियोजना) के पद पर कार्यरत थे। वामसी इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। उन्होंने प्लानिंग एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा के साथ प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा प्राप्त किया है। इसके अलावा उन्होंने हार्वर्ड मैनेज मेंटर (एचएमएम) प्रोग्राम तथा इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद में उन्नत प्रबंधन कार्यक्रमों के जरिए अपने नेतृत्व कौशल को और सुदृढ़ किया है।

वामसी वर्ष 1993 में पावरग्रिड में शामिल किए गए एग्जीक्यूटिव ट्रेनीज़ के पहले बैच से हैं। विद्युत पारेषण और टेलीकॉम सेक्टर में 33 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ वामसी ने पावरग्रिड में क्षेत्रीय और कॉर्पोरेट स्तर पर कई महत्त्वपूर्ण लीडरशिप, नीति-निर्धारण और रणनीतिक भूमिकाएं निभाई हैं। उनकी विशेषज्ञता परियोजना, प्रोक्योरमेंट, कमर्शियल, रेगुलेटरी मामलों, परिसंपत्ति प्रबंधन और टेलीकॉम जैसे क्षेत्रों में है। वे पावरग्रिड के रेगुलेटरी सेल के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे हैं। उन्होंने बदलते विद्युत पारेषण बाजार में कंपनी को सफलतापूर्वक स्थापित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया। पावरग्रिड टेलीसर्विसेज लि. के सीईओ के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, वामसी ने कंपनी के टेलीकॉम बिजनेस के विस्तार का नेतृत्व किया और पावरग्रिड की पहली डेटा सेंटर परियोजना की शुरुआत में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग और क्रियान्वयन में परिवर्तनकारी सुधार लागू किए।

बेंगलूरु और संतरागाछी के बीच विशेष ट्रेन सेवा आज

बेंगलूरु। गुड फ्राइडे के मौके पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने एसएमवीटी बेंगलूरु और संतरागाछी के बीच एक-तरफ़ा विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा, जिसकी वापसी सेवा बेंगलूरु कैंटोनमेंट पर समाप्त होगी। ट्रेन संख्या 06557 एसएमवीटी बेंगलूरु-संतरागाछी एक्सप्रेस स्पेशल 3 अप्रैल को शाम 04:35 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु से रवाना होगी और अगले दिन रात 11:55 बजे संतरागाछी पहुंचेगी। वापसी की दिशा में, ट्रेन संख्या 06558 संतरागाछी-बेंगलूरु कैंटोनमेंट एक्सप्रेस स्पेशल 5अप्रैल को सुबह 03:30 बजे संतरागाछी से रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 12:45 बजे बेंगलूरु कैंटोनमेंट पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में कृष्णराजपुरम, बंगारपेट, जोलारपेट्टई, काटपाडी, रेनिगुंटा, नेल्लोर, ओंगोल, विजयवाड़ा, राजमुंद्री, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, ब्रह्मपुर, खुर्दा रोड, भुवनेश्वर, कटक, भद्रक, बालेश्वर और खड़गपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

सम्मान

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने आज कोरमंगला के परेड ग्राउंड में आयोजित पुलिस ध्वज दिवस समारोह के दौरान उत्कृष्ट सेवा के लिए 158 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को पदक प्रदान किए। इस अवसर पर माननीय गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तुषार गिरिनाथ, कर्नाटक राज्य के पुलिस महानिदेशक डॉ. एम.ए. सलीम और सभी डीजीपी, वरिष्ठ और कनिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

बेंगलूरु में महिला टेक-कर्मी और उसके बेटे का शव मिला, जांच जारी

बेंगलूरु। बेंगलूरु से एक बेहद दुखद घटना सामने आई है, जहां एक महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उनके 11 महीने के बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतकों की पहचान प्रतिभा वाली और उनके छोटे बेटे के रूप में हुई है। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें प्रतिभा ने इस दर्दनाक कदम के पीछे की वजह बताई है। नोट के अनुसार, उनके बेटे की गलती से पानी से भरी बाल्टी में डूबने के कारण मौत हो गई थी और खुद को इसका जिम्मेदार मानते हुए उन्होंने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इस मामले में शिकायत प्रतिभा के पति महंतेश वाली ने दर्ज कराई है, जो पेशे से इंजीनियर हैं। यह परिवार पिछले चार साल से बेंगलूरु के चन्द्रा लेआउट थानाक्षेत्र के एक इलाके में एक किराए के मकान में रह रहा था।

घटना वाले दिन यानी 1 अप्रैल को महंतेश सुबह अपने काम पर चले गए थे और प्रतिभा घर से ही ऑफिस का काम कर रही थीं। जब शाम को महंतेश वापस लौटे तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था और काफी कोशिशों के बाद भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने खिड़की के पास रखी दूसरी चाबी से घर खोला।

घर के अंदर का नजारा बेहद खौफनाक था, क्योंकि प्रतिभा छत के हुक से साड़ी के फंदे पर लटकी हुई मिलीं। महंतेश ने यह भी देखा कि उनकी पत्नी की कलाई पर कटने के निशान थे और पास में खून भी बिखरा हुआ था। वहीं, उनका बेटा बिस्तर पर बेसुध पड़ा था, जिसे बाद में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस को मिले सुसाइड नोट में प्रतिभा ने अंग्रेजी में अपनी व्यथा लिखी थी कि वह अपने बच्चे को पानी में डूबने से बचा नहीं पाई और इसी आत्मग्लानि के कारण उन्होंने यह कदम उठाया।

प्रतिभा ने अपने सुसाइड नोट में बेहद भावुक होकर लिखा कि जब वह कपड़े सुखाने के लिए छत पर गई थीं, तभी उनका बच्चा खेलते हुए वॉश एरिया में चला गया और पानी से भरी बाल्टी में डूबने के कारण उसकी मौत हो गई। उन्होंने खुद को बच्चे की मौत का जिम्मेदार मानते हुए लिखा कि वह उसे बचा नहीं पाईं और इसी ग्लानि में वह अपनी जान दे रही हैं। घटनास्थल पर पुलिस को टैबलेट का एक खाली पत्ता भी मिला है, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि अपनी जान देने से पहले उन्होंने इन दवाइयों का सेवन किया होगा। पुलिस का मानना है कि प्रतिभा ने पहले गोलियां खाकर और अपनी कलाई काटकर जान देने की कोशिश की थी।

'दपरे' के डीआरएम ने गिनाईं बेंगलूरु डिवीजन की उपलब्धियां

मंडल ने नई सुविधाओं के साथ रचे कई कीर्तिमान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) के बेंगलूरु के डिविजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) आशुतोष कुमार सिंह ने गुरुवार को डिविजनल कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने मीडिया को वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बेंगलूरु डिवीजन की विभिन्न उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अवधि में बेलंदूर रोड-कार्मेलाराम (3.522 किमी) और मक्काजीपल्ली-नागासमुद्रम-धर्मावरम (28.600 किमी) के बीच दोहरीकरण और विद्युतीकरण का काम पूरा कर लिया गया है।

तुमकुर, उरुकेरे और थिम्माराजनहल्ली के बीच 24 किमी लंबी नई रेलवे लाइन का निर्माण भी पूरा हो गया है। बेंगलूरु कैंटोनमेंट और बैयप्पनहल्ली पश्चिम के बीच 4.92 किमी लंबी तीसरी और चौथी लाइनें भी चालू कर दी गई हैं। येलहंका-धर्मावरम सेक्शन (161 किमी) में सेक्शनल स्पीड बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। चिक्काबल्लापुर-चिंतामणि और बैयप्पनहल्ली-ओमालुर सेक्शन (131 किमी) में भी स्पीड बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। सड़क और रेल, दोनों तरह के यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए, रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज बनाकर लेवल क्रॉसिंग गेट्स को हटाया जा रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, कुल 8 लेवल क्रॉसिंग हटाए गए और विभिन्न स्थानों पर 4 आरओबी और 10 आरयूबी चालू किए गए। कनेक्टिविटी और यात्रियों की सुविधा को बेहतर बनाने के लिए कई नई ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं, जिनमें बेंगलूरु से बेलगावी और एर्नाकुलम के लिए वंदे भारत सेवाएं; एसएमवीटी बेंगलूरु और अलीपुरद्वार के बीच एक अमृत भारत साप्ताहिक ट्रेन; और ग्वालियर, बालुरघाट तथा राधिकापुर की ओर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा, 18 ट्रेन सेवाओं का विस्तार किया गया है, जिनमें एक्सप्रेस ट्रेनों के सात जोड़े, मेमु सेवाओं का एक जोड़ा और एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेनों का एक जोड़ा शामिल है। इसके अलावा, कार्यक्षमता को बेहतर बनाने और यात्रा के समय को कम करने के लिए, 106 ट्रेनों की गति बढ़ाई गई है।

बेंगलूरु मंडल ने टिकट चेकिंग से 39.68 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड राजस्व हासिल किया है, जो पिछले सर्वश्रेष्ठ आंकड़े 37.83 करोड़ रुपए से ज्यादा है। वहीं, पार्सल राजस्व 140.31 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो पिछले सर्वश्रेष्ठ आंकड़े 134.20 करोड़ रुपए से बेहतर है। माल ढुलाई राजस्व में भी ज़बरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है, जो पिछले सर्वश्रेष्ठ आंकड़े 327.74 करोड़ रुपए की तुलना में बढ़कर 351.07 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। खानपान सेवाओं में, मंडल ने 17.37 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया है, जो पिछले रिकॉर्ड 16.51 करोड़ रुपए से ज्यादा है। यात्री राजस्व अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 2420.55 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो पिछले सर्वश्रेष्ठ आंकड़े 2219.67 करोड़ रुपए से ज्यादा है। माल ढुलाई के क्षेत्र में, बेंगलूरु मंडल ने 2.13 मिलियन टन की लोडिंग हासिल की है, जो पिछले वर्ष के 2.07 मिलियन टन के आंकड़े से बेहतर है। मंडल ने अब तक की सबसे अधिक 2,681 रेक की लोडिंग दर्ज की है, जो पिछले सर्वश्रेष्ठ आंकड़े की तुलना में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। कंटेनर लोडिंग रिकॉर्ड स्तर 0.765 मिलियन टन तक पहुंच गई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। पहले डीज़ल इंजन से चलने वाली 14 ट्रेनों को अब इलेक्ट्रिक इंजन से चलने वाली ट्रेनों में बदल दिया गया है। इससे सालाना 43.73 करोड़ रुपए की बचत हुई है। बेंगलूरु मंडल के बीस खिलाड़ियों ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा लिया और कई पुरस्कार जीते, जिससे मंडल का गौरव बढ़ा। इसके साथ ही, उन्होंने अनेक क्षेत्रों में उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर अपर मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कटारकी, गति शक्ति मुख्य परियोजना प्रबंधक गुल अशफाक मोहम्मद, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कृष्ण चैतन्य, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक प्रिया, वरिष्ठ मंडल अभियंता हर्षित गुप्ता मौजूद थे।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग
भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन
(निर्माण एवं अनुरक्षण प्रभाग)
इसरो टेलिमेट्रि ट्रैकिंग एवं कमांड नेटवर्क (इस्ट्रैक)
प्लाट नं. 12 एवं 13, तीसरा मेन, द्वितीय फेज,
पीण्या औद्योगिक क्षेत्र, बेंगलूरु-560058
फोन : 080-28094178, 4541 फैक्स : 080-28094180

संक्षिप्त ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, समुचित वर्ग के ठेकेदरों से एनआईटी में निम्नलिखित कार्यों के लिए नग दर ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं।

एनआईटी सं	इस्ट्रैक/सीएमजी/एमईसीएच/सीओएन/ईटीएन-119 2025-2026दिनांक 13.03.2026
कार्य का नाम	सीआईएसएफ बैरक, डीओएस इसरो हाउसिंग कॉलोनी, जलाहल्ली, बेंगलूरु में 01-नग पैसेंजर लिफ्ट का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य , तथा 10 वर्षों के लिए लिफ्ट का सीएएमसी।
निविदा का अनुमानित मूल्य	रु. 25.03 लाख भाग (a) के लिए रु. 24.32 लाख भाग (b) के लिए
निविदा दस्तावेज विवरण	ई-निविदा
कार्य समापन अवधि	भाग (a) के लिए 03 महीने, और 1 वर्ष की वारंटी अवधि पूरी होने के बाद भाग (b) के लिए 10 वर्ष
निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	14.03.2026 को 16.00 बजे से 28.03.2026 को 16.00 तक जिसे अब 11.04.2026 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है ।
बोली स्पष्टीकरण	15.03.2026 को 11.00 बजे से 29.03.2026 को 16.00 तक जिसे अब 12.04.2026 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है ।
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	30.03.2026 को 16.00 बजे तक जिसे अब 13.04.2026 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है ।
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	01.04.2026 को 16.00 बजे तक जिसे अब 15.04.2026 को 16.00 बजे तक बढ़ाया गया है ।
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	02.04.2026 को 11.00 के बाद जिसे अब 16.04.2026 को 11.00 बजे के बाद किया जायेगा
अग्रदाय रकम जमा (ईएमडी)	रु. 50,056.00

पात्रता मानदंड और दूसरी जानकारी के लिए, इच्छुक निविदाकार कृपया वेबसाइट www.isro.gov.in/Tenders.html पर टेंडर इनवाइटिंग का विस्तृत द्विभाषी (हिंदी – अंग्रेजी) नोटिस (NIT) देख सकते हैं और https://www.tenderwizard.com/ISRO पर टेंडर फ्री में देख सकते हैं।

ह/- समूह प्रमुख- सीएमजी

बेंगलूरु कैंट और चेन्नई के बीच स्पेशल ट्रेन 9 अप्रैल को

बेंगलूरु। गर्मियों की छुट्टियों के मौसम में यात्रियों की ज़्यादा भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने बेंगलूरु कैंट स्टेशन और डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल के बीच एक ट्रिप की स्पेशल ट्रेन सर्विस चलाएगा।ट्रेन नंबर 06545 बेंगलूरु कैंट - डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस स्पेशल 9 अप्रैल गुरुवार को सुबह 08:05 बजे बेंगलूरु कैंट से निकलेगी और उसी दिन दोपहर 03:00 बजे डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल पहुँचेगी। वापसी में, उसी दिन ट्रेन नंबर 06546 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-बेंगलूरु कैंट एक्सप्रेस स्पेशल डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से शाम 04:45 बजे निकलेगी और रात 11:00 बजे बेंगलूरु कैंटोनमेंट पहुंचेगी। स्पेशल ट्रेन में 21 कोच होंगे, जिसमें 4 जनरल सेकंड क्लास कोच, 15 स्लीपर क्लास कोच और 2 एसएलआर/डी कोच शामिल हैं।

रेल व्हील फैक्टी ने बनाएं उत्पादन रिकार्ड्स

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां यलहंका रेल व्हील फैक्ट्री (रेपका) भारतीय रेल की एक प्रमुख इकाई है, जो कास्ट व्हील्स, फोर्ज्ड एक्सल्स और व्हीलसेट्स के निर्माण में विशेषज्ञता रखती है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, रेपका ने अपने मुख्य उत्पाद खंडों-व्हील्स, एक्सल्स और व्हीलसेट्स-में पिछले सभी उत्पादन रिकॉर्डों को पीछे छोड़ते हुए एक ऐतिहासिक प्रदर्शन हासिल किया।

व्हील उत्पादन अब तक के उच्चतम स्तर 2,10,026 व्हील्स तक पहुँच गया; पिछले वर्ष यह संख्या 2,01,150 व्हील्स थी, इस प्रकार इसमें 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक्सल उत्पादन में भी उल्लेखनीय उछाल देखा गया, जिसका उत्पादन बढ़कर 1,22,000 एक्सल्स हो गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 30 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। यह महत्वपूर्ण वृद्धि उत्पादन क्षमता, परिचालन दक्षता और संसाधनों के इष्टतम उपयोग में हुए ठोस सुधारों को रेखांकित करती है। इसी तरह, व्हीलसेट उत्पादन ने भी मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया, जो पिछले वर्ष के 98,350 व्हीलसेट्स से बढ़कर 1,20,100 व्हीलसेट्स तक पहुँच गया, जो 22 प्रतिशत की ठोस वृद्धि को दर्शाता है। यह उपलब्धि निर्माण प्रक्रियाओं के बेहतर एकीकरण और समग्र परिचालन उत्कृष्टता को उजागर करती है।

इन उपलब्धियों के साथ, रेपका ने सभी उत्पाद श्रेणियों में रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित उत्पादन लक्ष्यों को पार कर लिया है। विशेष रूप से, ये उपलब्धियाँ पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अशांति के कारण वाणिज्यिक ईंधन (गैसों) की आपूर्ति में व्यवधान जैसी चुनौतियों के बावजूद हासिल की गईं।

स्थिरता (सस्टेनेबिलिटी) के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, रेपका ने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार प्रथाओं को लागू किया है, जैसे कि 'थर्मल सैंड रिक्लेमेशन प्लांट', जो फाउंड्री रेत की पुनःप्राप्ति और पुनःउपयोग को सक्षम बनाता है, जिससे पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव में काफी कमी आती है। इसके अतिरिक्त, हीट ट्रीटमेंट फर्नेस जैसे प्रमुख हीटिंग उपकरण 'पाइप्ड नेचुरल गैस' (पीएनजी) पर संचालित होते हैं, जो अपेक्षाकृत कम कार्बन-सघन ईंधन है।

भारत सरकार, अंतरिक्ष विभाग, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो)
द्रव प्रणोदन प्रणाली केंद्र (एलपीएससी)
निर्माण एवं अनुरक्षण समूह
एलपीएससी परिसर, 80 फीट रोड, एचएएल द्वितीय चरण, बेंगलूरु-560008 फोन: 080-25037203/080-2503214

दिनांक: 02.04.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, निम्नलिखित कार्य हेतु मद-दर निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम और एनआईटी संख्या एवं दिनांक	अनुमानित राशि	बायना राशि (ईएमडी)	पूर्ण होने की अवधि
1	आईटीपीऐफ़, एलपीएससी , तुमकूरु स्थित 4-एक्सिस वीटीएमसी सुविधा में 5टी फ्लोर-माउंटेड जिब क्रेन का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य। NIT No: LPSC(B)/CMD/02/2040/MECH/MI/001/2026-27 Date : 01.04.2026	₹ 23.89 लाख	₹ 47,780/-	03 माह
2	आईटीपीऐफ़ सुविधा, तुमकूरु के लिए युपीएस प्रणालियों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग - अर्थिंग प्रणाली उपलब्ध कराना। NIT No: LPSC(B)/CMD/02/2041/E/MI/002/2026-27 Date : 01.04.2026	₹ 20.64 लाख	₹ 41,280/-	20 दिन
3	आईटीपीऐफ़ सुविधा, तुमकूरु के लिए युपीएस प्रणालियों की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग - इनपुट और आउटपुट केबल प्रणाली उपलब्ध कराना। NIT No: LPSC(B)/CMD/02/2042/E/MI/003/2026-27 Date : 01.04.2026	₹ 23.50 लाख	₹ 47,000/-	20 दिन

निविदा प्रलेख डाउनलोड करने की अवधि	02.04.2026 को 18.30 बजे से 14.04.2026 को 23.59 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण	02.04.2026 को 20.00 बजे से 15.04.2026 को 10.00 बजे तक
बोली स्पष्टीकरण के जवाब देने की अंतिम तारीख	15.04.2026 को 17.00 बजे के तक
निविदा प्राप्ति की अंतिम तारीख और समय	16.04.2026 को 11.00 बजे के तक
निविदा खोलने की नियत तारीख और समय	16.04.2026 को 11.30 बजे से

इच्छुक निविदाकर्ता कृपया www.tenderwizard.com/ISRO देखें। पात्रता मानदंड और अन्य विवरणों के लिए विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना (एनआईटी) भी उपलब्ध है, जिसे www.isro.gov.in, www.lpsc.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।

ह./- प्रमुख सीएमडी, एलपीएससी(बी)

कराबी निगम क्षेत्रीय कार्यालय में शिशुशाला का हुआ उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय में कार्यरत स्टाफ कर्मियों के छोटे बच्चों के लिए गुरुवार को शिशुशाला का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन अवसर पर बोलते हुए चिकित्सा आयुक्त ने कहा कि आजकल समाज में एकल परिवार की परंपरा है तथा पति-पत्नी दोनों की कार्य करते हैं, अतः कार्यालय में शिशुशाला का संचालन उपयोगी रहेगा। क्षेत्रीय निदेशक ने रिबन काटकर शिशुशाला का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि इसमें स्टाफ के सदस्य अपने छह वर्ष तक के बच्चों को देखभाल के लिए रख सकते हैं। विशेषतया इससे बाल देखभाल से लौटकर आने वाली महिलाकर्मियों को सहायता मिलेगी। वे अपने बच्चों को कार्यालय में साथ लाकर इस शाला में रख सकती हैं तथा भोजन अवकाश आदि में उनसे मिल सकती है। इससे कार्यालय की उत्पादकता भी बढेगी। इस अवसर पर सभी वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए धर्मगुरुओं-कथावाचकों की मदद लेगी जयपुर पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'एंटी वेनम' अभियान के पहले चरण में मादक पदार्थ तस्करों पर सख्ती के बाद अब जयपुर रेंज पुलिस युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए धर्मगुरुओं, कथावाचकों की मदद लेगी। जयपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि धर्मगुरु, कथावाचक और समाज में प्रभाव रखने वाले धार्मिक लोग युवाओं को धर्म से जोड़ते हुए उन्हें नशे से दूर रखने के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंनें बताया कि 'एंटी वेनम' अभियान का दूसरा चरण बुधवार से शुरू हो गया है जिसमें धर्मगुरु-कथावाचक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रकाश ने बताया कि इसके लिए शहर के धर्मगुरुओं और कथावाचकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क किया जा रहा है, ताकि वे अपने प्रवचनों के जरिये युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा, धार्मिक प्रभाव के जरिए युवाओं में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। धर्मगुरु समाज में आदर्श माने जाते हैं। उनके प्रवचन, कथाएं और धार्मिक आयोजनों से लोग गहराई से जुड़ते हैं। यही वजह है कि पुलिस अब इनकी मदद लेगी।

पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि इसके अलावा शैक्षणिक संस्थानों, कोचिंग संस्थानों, छात्रावासों, पीजी संचालकों से भी इस अभियान में जुड़ने को कहा जाएगा। उन्होंने बताया कि संस्था प्रधानों से समन्वय स्थापित करके नशामुक्ति केंद्र खोलने के लिए जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया जाएगा। राहुल प्रकाश ने बताया कि शुरुआत में सीकर जिला शिक्षा का केंद्र होने के कारण वहां के शैक्षणिक संस्थानों को नशामुक्ति केंद्र खोलने के लिए कहा जाएगा। पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश ने बताया कि अभियान का पहला चरण 15 से 31 मार्च तक था।

उन्होंने बताया कि पिछले 15 दिनों में सीकर, जयपुर ग्रामीण, दौसा, अलवर, कोटपूतली-बहरोड़, झुंझुनू और खैरथल-भिवाड़ी जिलों की पुलिस ने मिलकर मादक पदार्थ से संबंधित 229 मुकदमें दर्ज किए और लगभग 235 अपराधियों को गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से करीब दो करोड़ रुपए का मादक पदार्थ बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण का यह फायदा हुआ कि पुलिस के पास मादक पदार्थों के काम से जुड़े लोगों का डाटा उपलब्ध है।

अधिकारी ने बताया कि अब इस डाटा से द्वितीय चरण में मादक पदार्थों के तस्करों की धरपकड़ की जाएगी और उनकी संपत्तियां कुर्क की जाएंगी। पुलिस महानिरीक्षक ने बतया कि पहले चरण में नशे के आदी युवाओं को चिन्हित किया गया था और ऐसे युवाओं के माता-पिता को उन्हें नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराने के निर्देश दिए थे। अधिकारी ने बताया कि अगर परिजनों ने अब तक नशे के आदि अपने बच्चों को नशा मुक्ति केंद्रों में भर्ती नहीं कराया है तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विकसित भारत के विजन को साकार करने में युवा शक्ति की भूमिका अहम : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने में युवा शक्ति की भूमिका सबसे अहम है। प्रधानमंत्री की मंशा है कि युवाओं की ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग किया जाए। माय भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म देश की इसी युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाने का सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफॉर्म पर राजस्थान में 17 लाख से अधिक पंजीकरण हुए हैं। हमारी डबल इंजन की सरकार युवाओं को कौशल विकास, रोजगार और उनकी प्रतिभा को अवसर देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर माय भारत डिजिटल प्लेटफॉर्म के तहत प्रदेश में हो रही गतिविधियों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश में माय भारत की गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि युवाओं में नशे की प्रवृति की रोकथाम के लिए नशा मुक्ति की दिशा में भी गतिविधियां संचालित की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हर क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। युवाओं को पर्यटन, सोलर, पेट्रोकेमिकल्स जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए यह प्लेटफॉर्म बेहद महत्वपूर्ण है। साथ ही, इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध डेटा से युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान का युवा राष्ट्र निर्माण के कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि युवाओं की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करते हुए नशा मुक्ति, फिटनेस और सामाजिक जागरूकता अभियानों के माध्यम से 'फिट राजस्थान, हिट राजस्थान' के विजन को हर गांव और शहर तक पहुंचाया जाए।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान युवा नीति-2026 के माध्यम से प्रदेश सरकार ने युवाओं के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।

युवाओं को ब्याजमुक्त ऋण दिया जा रहा है, ताकि उद्यमिता को बढ़ावा मिले और युवा रोजगार प्रदाता भी बने। इसके अलावा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना, मा वाउचर योजना, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से युवाओं और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में पेपरलीक और भ्रष्टाचार जैसी घटनाओं से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ। अब भर्ती परीक्षाएं पूरी पारदर्शिता और समयबद्ध रूप से आयोजित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पांच साल में 4 लाख सरकारी नौकरी के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है। अब तक 1 लाख 25 हजार नियुक्तियां दी जा चुकी हैं तथा 1 लाख से ज्यादा पदों का भर्ती कैलेण्डर जारी किया जा चुका है।

कृषि विभाग के प्रमुख शासन सचिव ने संपर्क हेल्पलाइन रूम का किया निरीक्षण लंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्रीमती मंजू राजपाल ने गुरुवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर विभागीय प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों का त्वरित, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कृषि विभाग में शिकायतों का निस्तारण औसतन 17 से 20 दिन में हो रहा है, जो राज्य के औसत 15 दिनों से अधिक है। इस स्थिति को देखते हुए श्रीमती मंजू राजपाल ने निस्तारण समय को कम करने के लिए अधिक प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्येक 15 दिन में प्रकरणों की समीक्षा करने और समाधान में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होने देने पर जोर दिया।

श्रीमती राजपाल ने जिला स्तर पर दर्ज शिकायतों की स्थिति पर विशेष ध्यान देते हुए कहा कि संबंधित अधिकारी स्वयं परिवादियों से संवाद स्थापित करें। जिन जिलों में निस्तारण प्रतिशत, समाधान पर संतुष्टि का स्तर और औसत निस्तारण समय राज्य स्तर से कमजोर है, वहां तत्काल सुधार किया जाए।

उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में गुणवत्ता और गति दोनों का संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। साथ ही लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने और शिकायतों की प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक वर्ष में कृषि विभाग से जुड़े कुल 28 हजार 297 प्रकरण संपर्क पोर्टल पर दर्ज हुए, जिनमें से 27 हजार 295 का निस्तारण किया जा चुका है, जो लगभग 96.45 प्रतिशत है। वहीं उद्यान विभाग से संबंधित कुल 6 हजार 493 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें से 6 हजार 63 का निस्तारण किया जा चुका है, जो लगभग 93 प्रतिशत है। निरीक्षण के दौरान श्रीमती मंजू राजपाल ने कंट्रोल रूम में उपस्थित रहकर स्वयं परिवादियों से संवाद किया, उनकी समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए सभी विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों पर राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) कंट्रोल रूम में उपस्थित होकर परिवादियों से सीधे संवाद कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज कर शीघ्र समाधान प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

माइंस विभाग ने 13 प्रतिशत वृद्धि के साथ 10394 करोड़ से अधिक का राजस्व संग्रहण कर रचा नया इतिहास : अर्पणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दिशा-निर्देश व मार्गदर्शन में राजस्थान के माइनिंग सेक्टर ने 13 प्रतिशत विकास दर के साथ राजस्व अर्जन का नया इतिहास रच दिया है। माइंस एवं पेट्रोलियम विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती अपर्णा अरोरा ने बताया कि आरंभिक सूचनाओं के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में खान विभाग ने 10 हजार 394 करोड़ रूपये का राजस्व अर्जित किया है। वर्ष 2025-26 में राज्य के माइनिंग सेक्टर में विपरीत परिस्थितियों के बावजूद राज्य के खान विभाग की राजस्व अर्जन की यह उपलब्धि अपने आप में महत्वपूर्ण हो जाती है। गौरतलब है कि माइंस विभाग भी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा स्वयं के पोर्ट पोर्टफोलियों में है और नियमित समीक्षा के माध्यम से माइनिंग सेक्टर को लगातार नई दिशा दे रहे हैं। एसीएस माइंस एवं पेट्रोलियम ने बताया कि वर्ष 2025-26 में पूर्व के वित्तीय वर्ष की तुलना में 1163 करोड़ 73 लाख रूपये अधिक राजस्व जमा हुआ है। 10 हजार करोड़ से अधिक का राजस्व संग्रहण का आंकड़ा पहली बार माइनिंग सेक्टर ने पार किया है। इसी तरह से मार्च के माह में पहली बार 1506 करोड़ रूपये से अधिक राजस्व जमा हुआ है, यह अब तक का किसी एक माह के राजस्व संग्रहण में भी सर्वाधिक है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि विभाग की यह उपलब्धि नियमित मॉनिटरिंग, संभावित राजस्व अर्जन के क्षेत्रों पर फोकस, समन्वित प्रयासों व टीम भावना से संभव हो पाई है। उन्होंने इसके लिए विभाग के उच्च स्तर से फील्ड स्तर तक के सभी अधिकारियों व कार्मिकों की पीठ थपथपाते हुए बधाई दी है।

श्रीमती अपर्णा अरोरा ने बताया कि वर्ष 2021-22 में माइंस विभाग का सालाना राजस्व अर्जन 6394.89 करोड़, अगले वर्ष 7213.14 करोड़, इसके अगले वर्ष 7438.92 करोड़ और इसके बाद गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 9228.21 करोड़ रूपये रहा। लक्ष्यों के विरूद्ध सर्वाधिक प्रतिशत उपलब्धि एमई जैसलमेर वेदप्रकाश ने अर्जित की है जो 208.99 रही।

प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लेकर सरकार प्रतिबद्ध : शिक्षा मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर गुरुवार को राजसमंद जिले के दौरे पर रहे। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहार छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए उनका सम्मान किया। सुबह सर्किट हाउस, राजसमंद में दिलावर ने विभिन्न राजकीय विद्यालयों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उपरना ओढ़ाकर उनकी उपलब्धियों की सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण ही उन्हें सफलता के शिखर तक पहुँचाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर परिश्रम करने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया।

शिक्षा मंत्री ने कक्षा 12 वीं कला में 98.40 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्रा माया मेघवाल, कक्षा 10 वीं में 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्रा मनीषा खरवड, कक्षा 10 वीं में 97.5 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्रा किंजल सेन, कक्षा 12 वीं विज्ञान में 96.60 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्र प्रेम सिंह चुंडावत, कक्षा 12 वीं विज्ञान में 96.60 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्र पीयूष पालीवाल, कक्षा 12 वीं वाणिज्य में 88.20 प्रतिशत अंक प्राप्त छात्र विकास जाट से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया।

अधिकारियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों की भी उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की सफलता में शिक्षकों और परिवार का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने एवं विद्यार्थियों को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाने हेतु निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया।

टेक्नोलॉजी के जरिए सड़कें होंगी अधिक सुरक्षित, आमजन को मिलेगा सहज सफर : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री व परिवहन मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने प्रदेश में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तकनीक आधारित निगरानी तंत्र को और सख्त करने व नियमों के उल्लंघन पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ई-डिटेक्शन, वाहन ट्रैकिंग और ऑनलाइन सेवाओं के जरिए आमजन को सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह परिवहन व्यवस्था उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा गुरुवार को शासन सचिवालय में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि ई-डिटेक्शन प्रणाली को और प्रभावी बनाते हुए नियमों के उल्लंघन पर स्वतः चालान की प्रक्रिया को मजबूत किया जाए। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन वाहनों में वाहन लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (वीएलटीडी) के व्यापक क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि इससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और निगरानी व्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने इस प्रणाली का दायरा तेजी से बढ़ाने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने परमिट से संबंधित सभी सेवाओं को पूर्णतः ऑनलाइन करने, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और आमजन को बिना बाधा सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही ई-डिटेक्शन, ऑनलाइन परमिट और अन्य आईटी प्रणालियों के समेकित उपयोग से पारदर्शिता बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने खान एवं परिवहन विभाग के पोर्टलों के एकीकरण को गति देने के निर्देश देते हुए कहा कि ओवरलोडिंग जैसे मामलों में प्रभावी और समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि नियमों का कड़ाई से पालन हो सके।

उन्होंने सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में नवाचारों को बढ़ावा देने, जिला स्तर पर डेटा आधारित कार्ययोजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने तथा सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के अंतर्गत राजस्व सुदृढ़ीकरण, कर वसूली की नियमित मॉनिटरिंग तथा प्रवर्तन तंत्र को और मजबूत करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में प्रमुख शासन सचिव परिवहन विभाग भवानी सिंह देथा, आयुक्त परिवहन पुरुषोत्तम शर्मा सहित परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्थानीय निकाय चुनावों में देरी पर हाईकोर्ट ने एसईसी और कमिश्नर को अवमानना नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान हाई कोर्ट ने गुरुवार को राज्य में पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनाव कराने में हुई देरी को लेकर राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) और राज्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह को अवमानना ङ्घङ्घनोटिस जारी किया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा की अध्यक्षता वाली एक डिवीन बेंच ने पूर्व विधायक संयम लोढ़ा द्वारा दायर एक अवमानना ङ्घङ्घयाचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। अदालत ने सवाल उठाया कि एसईसी ने मतदाता सूचियों के संशोधन के लिए ऐसा शेड्यूल कैसे जारी किया, जो अदालत द्वारा तय की गई समय सीमा से आगे तक जाता है, जबकि पहले इस संबंध में निर्देश दिए जा चुके थे। अदालत ने आयोग से चार सप्ताह के अंदर इस मामले पर विस्तृत जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता के वकील पुनीत सिंघवी ने दलील दी कि राज्य सरकार और एसईसी जानबूझकर चुनावों को टाल रहे हैं, जो कि हाई कोर्ट के आदेशों की जानबूझकर की गई अवमानना ङ्घङ्घके बराबर है।

आयोग के शेड्यूल के अनुसार, स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अंतिम मतदाता सूची 22 अप्रैल को प्रकाशित की जानी है। यह समय सीमा प्रभावी रूप से 15 अप्रैल तक चुनाव पूरे होने की संभावना को समाप्त कर देती है, जो कि अदालत द्वारा तय की गई समय सीमा थी।सुनवाई के दौरान, एडवोकेट जनरल राजेंद्र प्रसाद ने बेंच को सूचित किया कि राज्य सरकार चुनाव शेड्यूल को आगे बढ़ाने के लिए एक आवेदन दायर करने का इरादा रखती है।इस पर प्रतिक्रिया देते हुए अदालत ने टिप्पणी की, यह एक ऐसा मामला है जिस पर बाद में विचार किया जाएगा। अभी के लिए, चुनाव आयोग ने ऐसा शेड्यूल कैसे जारी किया? बेंच ने एसईसी को चार सप्ताह के अंदर इस सवाल का जवाब देने का निर्देश दिया। 14 नवंबर, 2025 को राजस्थान हाईकोर्ट ने 439 याचिकाओं के एक समूह पर फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह 15 अप्रैल, 2026 तक पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव संपन्न कराए। अदालत ने यह भी अनिवार्य किया था कि परिसीमन की प्रक्रिया 31 दिसंबर, 2025 तक पूरी कर ली जाए।

आधुनिक सुविधायुक्त विद्यालय भवन से ग्रामीण शिक्षा को मिलेगा नया आयाम : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने गुरुवार को सवाई माधोपुर जिले के बनोटा में राजकीय विद्यालय के नवनिर्मित भवन और भाड़ौती में कक्षा-कक्षों एवं अन्य सुविधाओं के उद्घाटन के दौरान कहा कि प्रदेश के होनहार विद्यार्थियों को आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित विद्यालय भवन उपलब्ध करवाना समाज और सरकार दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। डॉ. मीणा ने बनोटा में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इन नवीन कक्षों एवं सुविधाओं वाले भवनों में विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण, प्रयोगात्मक शिक्षा, डिजिटल एवं पुस्तकालय सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे शैक्षणिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। डॉ. मीणा ने इन दोनों राजकीय विद्यालय भवनों के निर्माण में सहयोग के लिए भामाशाहों एवं ग्रामीणजनों क आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्थानीय दानदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि सामुदायिक भागीदारी और आधारभूत आवश्यकताओं की उपलब्धता में राज्य सरकार को सहयोग से ही शिक्षा क्षेत्र में गुणात्मक विकास संभव है। कार्यक्रम में सभी ने विद्यालय के विकास हेतु निरंतर सहयोग का संकल्प व्यक्त किया।

बनोटा विद्यालय भवन की निर्माण लागत 2.05 करोड़ रुपये आई है। इसमें राज्य सरकार के अंशदान एवं भामाशाहों से प्राप्त जनसहभागिता सहयोग राशि शामिल है। नवीन भवन में कुल 16 कक्षा-कक्ष, पुस्तकालय कक्ष, विज्ञान प्रयोगशाला, कॉम्प्रेंस/कम्प्यूटर कक्ष, स्टेज, चारदीवारी एवं फेंसिंग कार्य सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त शौचालय निर्माण एवं अन्य आधारभूत सुविधाएं भी विकसित की गई हैं, जिससे विद्यालय का समग्र वातावरण सुदृढ़ हुआ है।

कांग्रेस ने काजीरंगा घुसपैठियों को सौंप दिया था, राजग ने इसे मुक्त कराकर पर्यटन स्थल बनाया : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कालियाबोर (असम)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राज्य में अपने 15 साल के शासन के दौरान असम के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने यहां चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस ने विश्व प्रसिद्ध काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान को घुसपैठियों के हवाले कर दिया, जिन्होंने वन भूमि पर अतिक्रमण किया और एक सींग वाले गैंडों को खतरे में डाल दिया। उन्होंने कहा, यह राजग सरकार थी जिसने अतिक्रमणकारियों को हटाया और यह सुनिश्चित किया कि काजीरंगा एक बार फिर विश्व पर्यटन मानचित्र पर आए।

शाह ने राज्य के दौरे पर आए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा, कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान राज्य के लिए क्या किया? उन्होंने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह असम से राज्यसभा सदस्य थे, लेकिन न तो उस समय की केंद्र सरकार और न ही राज्य सरकार ने इसके विकास के लिए कुछ किया।

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि जब अतिक्रमित जमीन से घुसपैठियों को हटाया जाता है, तो कांग्रेस इसे धार्मिक राजनीति के रूप में पेश करने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि भाजपा घुसपैठियों के खिलाफ है और असम के मूल निवासी मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। दो दिवसीय दौरे पर आए शाह ने कालियाबोर में भाजपा के सहयोगी दल असम गण परिषद (एजीपी) के उम्मीदवार और मंत्री केशव महंत के लिए प्रचार किया। वह शुक्रवार को तीन रैलियों को संबोधित करेंगे।

असम की 126 विधानसभा सीट के लिए नौ अप्रैल को चुनाव होंगे और मतगणना चार मई को की जाएगी।

राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने में आकाशवाणी की ऐतिहासिक भूमिका : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को आकाशवाणी के लखनऊ केंद्र के 89वें स्थापना दिवस पर समाज को जोड़ने, भाषाई विविधता को बनाए रखने और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने में आकाशवाणी की ऐतिहासिक भूमिका की तारीफ की।

मुख्यमंत्री ने आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक समारोह में अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि स्मार्टफोन, टेलीविजन और बड़े पैमाने पर टेलीफोन कनेक्टिविटी से रहित उस युग में रेडियो जानकारी और प्रेरणा का मुख्य स्रोत था। उन्होंने कहा, हमने जो पहली आवाज़ सुनी वह आकाशवाणी की थी। इसकी सुबह की सिग्नेचर ट्यून और प्रोग्राम हर घर को जोड़ते थे और समाचार प्रसार में भाषाई शुद्धता और विश्वसनीयता दोनों दिखाते थे।

आदित्यनाथ ने कहा, मैंने बचपन से देखा कि समाज को जोड़ने का माध्यम आकाशवाणी बनी, भारत की आस्था को सम्मान देने वाला माध्यम भी आकाशवाणी थी। जब बड़े हुए तो देश-दुनिया में क्या चल रहा है, उसकी जानकारी भी आकाशवाणी से ही मिलती थी। सबसे बड़ी बात उसमे भाषा की शुद्धता भी थी और सत्यता भी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत की विभिन्न भाषाओं और बोलियां को आगे बढ़ाने में आकाशवाणी की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि हिंदी की उपभाषाओं और बोलियों, जैसे भोजपुरी, अवधी, गढ़वाली और कुमाऊनी को कैसे स्थानीय लोगों को जोड़ने का माध्यम बनाएं और उसको कैसे लोकप्रिय बनाए जाएं, यह भी आकाशवाणी के माध्यम से ही सुनने को देखने को अवसर प्राप्त होता था।

उन्होंने कहा कि यह केवल मनोरंजन नहीं था, ज्ञानवर्धन भी था, आस्था का सम्मान भी था और साथ-साथ स्थानीय लोक भाषा, लोक कला के लिए मंच का एक सशक्त माध्यम भी था।

आदित्यनाथ ने कहा कि साल 1938 में जब यह देश आजाद नहीं हुआ था,तब पहली धुन वंदे मातरम की आकाशवाणी लखनऊ से प्रसारित हुई थी।

पश्चिम बंगाल में एसआईआर के विरोध में कई जिलों में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण से महज तीन सप्ताह पहले, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में बृहस्पतिवार को राज्य के कई जिलों में प्रदर्शन हुए।

प्रदर्शनकारियों ने मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने के विरोध में सड़कों और राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया। मालदा, जलपाईगुड़ी, कूच बिहार और पूर्वी बर्द्धमान में प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाए, सड़कों को अवरुद्ध किया और मौन मार्च निकाला, जहां 23 अप्रैल को मतदान होना है। एक दिन पहले, मालदा जिले के कालियाचक में एसआईआर कार्य में लगे सात न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया गया था। कई घंटों की मशक्कत के बाद सुरक्षा बलों ने उन्हें छुड़ा लिया। मतदाताओं के बड़े पैमाने पर नामों को काटे जाने का आरोप लगाते हुए, प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को कोलकाता और सिलीगुड़ी को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को भी अवरुद्ध कर दिया। इन घटनाओं के बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर राज्य में अशांति फैलाने और विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रपति शासन लागू करने की राह प्रशस्त करने के लिए ''षड्यंत्र'' रचने का आरोप लगाया। इंग्लिश बाजार क्षेत्र के जादुपुर में भी प्रदर्शन हुआ।

मालदा न्यायिक अधिकारियों के घेराव की योजना तृणमूल कांग्रेस ने बनाई : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिर को आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद के दौरान मालदा के सुजापुर में न्यायिक अधिकारियों का घेराव और हिंसा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस द्वारा ''सुनियोजित तरीके से की गई।''

अधिकारी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए दावा किया कि मालदा में एसआईआर कवायद में लगे न्यायिक अधिकारियों का घेराव ममता बनर्जी के नेतृत्व में कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष स्तर द्वारा सुनियोजित था, जिसमें स्थानीय नेता सबीना यास्मीन ने जमीनी स्तर पर योजना को अंजाम दिया था। मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने एसआईआर कवायद में शामिल सात न्यायिक अधिकारियों का बुधवार को मालदा जिले में कई घंटे तक घेराव किया था, जिसके बाद देर रात सुरक्षा बलों ने बल प्रयोग करके भीड़ को खदेड़ कर उन्हें बचाया।

अधिकारी ने विशेष रूप से यास्मीन को जिला स्तर पर कथित योजना के क्रियान्वयन की मुख्य सूत्रधार करार दिया। इससे पहले, बनर्जी ने न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा करने में विफल होने के लिए निर्वाचन आयोग को दोषी ठहराया था और आरोप लगाया था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य के नागरिक और पुलिस प्रशासन में बदलाव करवा रहे हैं।

मुरादाबाद में एक इनामी 'शार्पशूटर' मुठभेड़ में मारा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुरादाबाद (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और मुरादाबाद पुलिस के संयुक्त अभियान में बुधवार देर रात एक 'शार्पशूटर' मारा गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) अमिताभ यश ने बृहस्पतिवार को बताया कि हापुड़ जिले के हाफिजपुर थाना क्षेत्र के मीरपुर कलां गांव का आशु उर्फ मोंटी सिविल लाइंस इलाके में मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

यश ने कहा कि आशु हत्या की कोशिश और मुरादाबाद के एक कारोबारी से पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में वांछित था एवं उस पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। अधिकारियों के मुताबिक, आशु का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ कई जिलों में हत्या, हत्या की कोशिश और डकैती समेत कई जघन्य मामलों के लगभग 36 मुकदमे दर्ज थे।

पुलिस ने घटनास्थल से एक कार, .32 बोर की एक पिस्तौल, .32 बोर की एक रिवोल्वर और बड़ी संख्या में कारतूस बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि आशु पहली बार 2010 में हत्या की एक मामले में जेल गया था, उसी दौरान वह उधम सिंह गैंग के संपर्क में आया। उन्होंने बताया कि जमानत पर रिहा होने के बाद आशु ने कथित तौर पर गैंग के लिए काम करना शुरू कर दिया और गंभीर अपराधों में शामिल रहा। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

ओडिशा के उपमुख्यमंत्री ने 1,889 आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन किया

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रभाती परिदा ने बृहस्पतिवार को 30 जिलों में 1,889 आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया। उपमुख्यमंत्री के साथ ही महिला एवं बाल विकास, मिशन शक्ति और पर्यटन विभागों की भी प्रभारी परिदा ने कहा कि यह बच्चों की देखभाल के लिए राज्य में जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

परिदा ने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, ''इसका उद्देश्य राज्य भर में 'सुंदर', 'सक्षम' और 'सुदृढ़' आंगनवाड़ी केंद्र स्थापित करना है।'' इस अवसर पर परिदा ने बालासोर, गंजाम, कटक, अंगुल और देवगढ़ जिलों के अधिकारियों से भी बातचीत की तथा आंगनवाड़ी केंद्र भवनों की प्रगति की समीक्षा की।

भाजपा अन्य दलों के 'खारिज' नेताओं को बंगाल चुनाव में उतार रही है : अभिषेक बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पार्टी विधानसभा चुनावों के लिए अन्य दलों के खारिज तत्वों को मैदान में उतार रही है।

पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले के तलडांगरा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, भाजपा को अपने साथ रखना नासूर के साथ जीने जैसा है, इसे हटाना कैंसर का इलाज करने जैसा है।

उन्होंने मतदाताओं से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मौका न देने का आग्रह किया।

बनर्जी ने दावा किया कि टीएमसी द्वारा दरकिनार किए गए व्यक्तियों को भाजपा द्वारा महत्वपूर्ण पदों पर पदोन्नत किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम सड़े-गले, खारिज किए गए तत्वों को बाहर निकाल देते हैं, लेकिन भाजपा उन्हें चुन लेती है और उन्हें महत्वपूर्ण पद देती है। उन्होंने यह बात 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद टीएमसी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए दलबदलुओं के संदर्भ में कही।

केंद्र सरकार पर अपना हमला तेज करते हुए बनर्जी ने भाजपा पर पिछले पांच वर्षों में पश्चिम बंगाल को उसके हक से वंचित करने का आरोप लगाया।

विकास संबंधी वादों का जिक्र करते हुए बनर्जी ने कहा कि शिलाबती नदी पर एक पुल और तलडांगरा में एक सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण किया जाएगा।

बंगाल सबसे अधिक ध्रुवीकृत, न्यायिक अधिकारियों के घेराव की सीबीआई या एनआईए जांच कराएं : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल को सबसे अधिक ध्रुवीकरण वाला राज्य बताते हुए, उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को मतदाता सूची संशोधन अभियान के दौरान मालदा जिले में सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव और हमले पर प्रशासन की पूर्ण विफलता और निष्क्रियता पर कड़ी नाराजगी जताई और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराए जाने का निर्देश दिया। न्यायालय ने चुनावी राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती का भी निर्देश दिया।

घटना की कड़ी निंदा करते हुए न्यायालय ने कहा कि यह घटना राज्य प्रशासन की पूर्ण विफलता को भी उजागर करती है और न्यायिक अधिकारियों को धमकाने का न सिर्फ एक बेशर्म प्रयास था, बल्कि यह इस उच्चतम न्यायालय के अधिकार को चुनौती देने के बराबर भी था। इसे गैर-राजनीतिक विरोध बताने वाली दलीलों को खारिज करते हुए, प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। बल्कि, यह न्यायिक अधिकारियों का मनोबल गिराने का एक सुनियोजित और जानबूझकर किया गया कदम प्रतीत होता है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, अगर यह विरोध प्रदर्शन गैर-राजनीतिक था, तो राजनीतिक नेता क्या कर रहे थे? क्या उनका यह कर्तव्य नहीं था कि वे मौके पर जाकर देखें कि क्या हो रहा है? क्या कोई कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने की कोशिश कर रहा है? शाम 5 बजे इन लोगों ने अधिकारियों को घेर लिया और रात 11 बजे तक आपका कलेक्टर वहां नहीं था।

न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह राज्य में ''पर्याप्त केंद्रीय बलों की मांग करे और उन्हें उन सभी स्थानों पर तैनात करे जहां मतदाता सूचियों की एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) प्रक्रिया के तहत न्यायिक अधिकारी आपत्तियों का निपटारा कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग को यह भी निर्देश दिया जाता है कि वह कल की घटना की जांच/पड़ताल किसी स्वतंत्र एजेंसी यानी सीबीआई या एनआईए को सौंपे। अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की जाए। जिस एजेंसी को जांच सौंपी जाएगी, वह सीधे इस न्यायालय में प्रारंभिक रिपोर्ट दाखिल करने के लिए बाध्य होगी। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों से बाहर किए गए 60 लाख से अधिक लोगों की आपत्तियों के निस्तारण के लिए पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड के लगभग 700 न्यायिक अधिकारियों को चल रही एसआईआर प्रक्रिया में तैनात किया गया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) तथा मालदा के जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को ''कारण बताओ नोटिस'' जारी कर यह बताने को कहा कि ''कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से प्राप्त पत्र की सामग्री के आलोक में उनके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई क्यों न की जाए।''

हिमंत 'सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री' : राहुल गांधी

मोदी, शाह के साथ मिलकर असम में 'लैंड एटीएम' चला रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बोकाजान/टीटाबार (असम)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को भारत का ''सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री'' बताते हुए आरोप लगाया कि शर्मा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर राज्य में ''लैंड एटीएम'' चला रहे हैं और आम लोगों से जमीन छीनकर बड़े उद्योगपतियों को दे रहे हैं।

कार्बी आंगलोंग और जोरहाट जिलों में लगातार चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए गांधी ने आरोप लगाया कि लोगों से जमीन छीनकर बड़ी-बड़ी कंपनियों को सौंपी जा रही है। गायक जुबिन गर्ग का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा कि वे असम की भावना का प्रतिनिधित्व करते थे और उन्होंने उनकी मौत के संबंध में न्याय का आश्वासन दिया। राहुल गांधी ने असम विस चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें शासन, पहचान व स्वास्थ्य सेवा जैसे 11 क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। राहुल ने कहा, ''भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा हैं और उनका परिवार भी भ्रष्टाचार के मामले में पहले नंबर पर है। कांग्रेस सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। अभी वह चाहे जितनी डींगें मार लें, उसके बाद वह चुप हो जाएंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शर्मा असम को गिरोहों के माध्यम से चला रहे हैं और उनके भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण मोदी ने उन पर पूरी तरह से नकेल कसी हुई है।

कैग ने ओडिशा की जेलों में सुरक्षा और कर्मचारियों की कमियों को उजागर किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने ओडिशा की जेलों में बुनियादी ढांचे, कर्मियों एवं उपकरणों की कमी का हवाला देते हुए जेल प्रबंधन और सुरक्षा में कई कमियों को उजागर किया।

ये निष्कर्ष जेलों के विषय-विशेष अनुपालन ऑडिट में सामने आए, जो भारत के कैग की नवीनतम रिपोर्टों में शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''ओडिशा मॉडल जेल मैनुअल-2020 के अनुसार, प्रत्येक छह कैदियों पर कम से कम एक गार्ड होना चाहिए और इस अनुपात का पालन तीनों 'शिफ्ट' में किया जाना चाहिए।''

रिपोर्ट में कहा गया है कि 21,058 कैदियों के प्रबंधन के लिए 3,515 सुरक्षा कर्मियों की आवश्यकता के मुकाबले सरकार द्वारा केवल 1,680 पद (47.49 प्रतिशत) स्वीकृत किए गए थे, जो एक शिफ्ट के लिए भी पर्याप्त नहीं थे।

जून 2023 और फरवरी 2024 के बीच 2020-21 से 2022-23 की अवधि के लिए किए गए ऑडिट में पाया गया कि मार्च 2023 तक स्वीकृत 1,680 कर्मचारियों के मुकाबले केवल 1,282 सुरक्षा कर्मी ही कार्यरत थे।

रिपोर्ट में कहा गया है, ''इससे सामने आया है कि मानदंडों के मुकाबले 2,233 कर्मियों (65.53 प्रतिशत) की कमी और स्वीकृत संख्या के मुकाबले 398 कर्मचारियों की कमी हुई।''

कैग ने कहा, ''पर्याप्त सुरक्षाकर्मियों के अभाव में सुरक्षा, हिरासत, कैदियों के कल्याण से संबंधित आवश्यक कार्य, साथ ही जेल प्रशासन का सुचारू संचालन नहीं किया जा सका।''

जांच के लिए चुने गए 15 जेलों के रिकॉर्ड की जांच करते समय लेखा परीक्षक ने पाया कि सुरक्षित जेल प्रशासन के लिए आवश्यक सुरक्षा उपकरण या तो उपलब्ध नहीं थे या चालू हालत में नहीं थे।

इसमें यह भी पाया गया कि 2020 से 2023 के बीच विभिन्न जेलों से 29 कैदी फरार हो गए, जिनमें से 12 का अब तक पता नहीं चल पाया है और उन्हें दोबारा पकड़ा नहीं जा सका है।

न्यायिक अधिकारियों का घेराव देश के इतिहास में 'काला धब्बा' : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विरोध में सात न्यायिक अधिकारियों का कई घंटे तक घेराव किए जाने की घटना को बृहस्पतिवार को देश के इतिहास में काला धब्बा करार दिया।

भाजपा ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इशारे पर मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद में बाधा डालने और रोहिंग्याओं की रक्षा करने के लिए इस घटना को अंजाम दिया। भाजपा की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब उच्चतम न्यायालय ने घटना को निंदनीय और शासन की पूर्ण विफलता का सूचक करार देते हुए पश्चिम बंगाल प्रशासन को उसकी कथित निष्क्रियता के लिए कड़ी फटकार लगाई है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने सवाल किया कि क्या ममता बनर्जी शीर्ष अदालत की टिप्पणियों के बाद शर्मिंदा हैं और क्या वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगी। मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने एसआईआर कवायद में शामिल सात न्यायिक अधिकारियों का बुधवार को मालदा जिले में कई घंटे तक घेराव किया था, जिसके बाद देर रात सुरक्षा बलों ने बल प्रयोग करके भीड़ को खदेड़ कर उन्हें बचाया। प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-12 (कोलकाता-सिलीगुड़ी) को भी अवरुद्ध किया था।

भाटिया ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह ममता बनर्जी का 'जंगल राज' है। तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ममता बनर्जी के इशारे पर न्यायिक अधिकारियों को बंधक बना लिया। भारत के इतिहास में ऐसी घटना पहले कभी नहीं हुई। यह दुर्भाग्यपूर्ण और एक काला धब्बा है। उन्होंने कहा कि सातों न्यायिक अधिकारी उच्चतम न्यायालय के निर्देश का पालन करते हुए अपना काम कर रहे थे। भाटिया ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संविधान की शपथ लेने वाली ममता बनर्जी शीर्ष अदालत के आदेशों की खुलेआम अवहेलना करते हुए न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनवा रही हैं। उनका इरादा न्यायिक अधिकारियों को डराना है, क्योंकि वह एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालना चाहती हैं।

भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि ममता ने रोहिंग्याओं की रक्षा के लिए अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के वास्ते भेजा। उन्होंने कहा, ममता बनर्जी, जिन्हें पश्चिम बंगाल के लोगों और उनके अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए, रोहिंग्याओं का साथ दे रही हैं। उन्हें रोहिंग्याओं से लगाव है।

हर क्रिकेटर को बचपन से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए : युवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय हरफनमौला युवराज सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि क्रिकेटरों को अपने मुख्य पेशे के तनाव से निपटने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए।

युवराज क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद शौकिया तौर पर गोल्फ खेलते हैं। उन्हें दूसरे 'इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल)' का ब्रांड दूत बनाया गया है। युवराज ने आईजीपीएल की 10 फ्रेंचाइजी के अनावरण के मौके पर कहा, ''क्रिकेटरों को क्रिकेट के साथ-साथ गोल्फ भी खेलना चाहिए। मुझे भी पहले गोल्फ खेलना चाहिए था, जिससे मुझे क्रिकेट में मदद मिलती। गोल्फ वास्तव में आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है।'' आईजीपीएल का कार्यक्रम अभी तय होना बाकी है। उन्होंने कहा, ''ज्यादातर विदेशी क्रिकेटर, खासकर ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी बचपन से ही गोल्फ खेलते हैं।'' युवराज ने कहा कि गोल्फ को एक विशिष्ट खेल माना जाता है, लेकिन यह एक ऐसा खेल है जो सार्वजनिक गोल्फ कोर्स के माध्यम से सभी के लिए सुलभ है। उन्होंने कहा, ''हम गोल्फ को एक विशिष्ट खेल मानते हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि भारत का हर बच्चा गोल्फ खेले। हम गोल्फ को स्कूलों तक पहुँचाने की कोशिश कर रहे हैं। मेरा मानना है कि हर बच्चे को हर खेल को आजमाना चाहिए।'' युवराज ने कहा, ''मैं जानता हूं कि क्रिकेट हमारा सबसे लोकप्रिय खेल है, लेकिन गोल्फ भी एक रोमांचक खेल है, जिसे हर किसी को आजमाना चाहिए। भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके खिलाड़ी के तौर पर, मैं अन्य खेलों में भी योगदान देना चाहता हूं। यह लीग (आईजीपीएल) खेल को रोमांचक बनाएगी और खेल के बारे में जागरूकता फैलाएगी। ज्यादा बच्चे इस खेल को अपनाएँगे, टीवी पर देखेंगे और खेलने के लिए प्रेरित होंगे। इससे खेल में पैसा आएगा और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी और हमारी जिम्मेदारी है। इस साल की आईजीपीएल में 10 फ्रेंचाइजी और पूरे साल में 15 टूर्नामेंट होंगे, जिनमें मॉरीशस, कांगो, दक्षिण अफ्रीका और मोरक्को में दो सहित पांच विदेशी टूर्नामेंट शामिल हैं।

सुविचार

प्रार्थना केवल मांगने का जरिया नहीं है, बल्कि परमात्मा के प्रति आभार व्यक्त करने का तरीका है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अब जनता की बारी

रुपए में गिरावट थामने के लिए आरबीआई ने कई कदम उठाए हैं। अब जनता की बारी है। हमें भी ऐसे कदम उठाने होंगे, जो रुपए को मजबूती दें। जब डॉलर के मुकाबले रुपया गिरता है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे आयात बिल बढ़ता है और महंगाई में वृद्धि होती है। ईरान के साथ अमेरिका-इज़राइल के युद्ध के कारण रुपए में पहले ही काफी गिरावट आ चुकी है। इसे रोकने के लिए देशवासियों को एकजुट होकर प्रयास करने होंगे। होर्मुज़ जलडमरूमध्य में अशांति की वजह से तेल-गैस की निर्बाध आपूर्ति में व्यवधान आया है। हालांकि सरकार अन्य विकल्पों पर काम कर रही है। आपूर्ति प्रणाली पर दबाव कम करने के लिए तेल और गैस की खपत कम करनी होगी। यहां ग्रामीण क्षेत्र के लोग महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उनके पास ईंधन के अनेक विकल्प हैं। अगर वे कुछ दिनों के लिए इनका इस्तेमाल करें तो विदेशी मुद्रा की बचत होगी। साथ ही, शहरों में आपूर्ति तेज होगी। इससे औद्योगिक गतिविधियों में मदद मिलेगी। इन सबका नतीजा रुपए के प्रदर्शन में दिखाई देगा। इस समय हमें विदेश की अन्य चीजों पर निर्भरता कम करनी चाहिए। जहां तक संभव हो, स्वदेशी चीजें खरीदें। ध्यान रखें, स्थानीय व्यक्ति से स्वदेशी चीज खरीदेंगे तो उसका फायदा किसी-न-किसी रूप में आपको जरूर मिलेगा। वहीं, विदेशी कंपनियों के खजाने में गया रुपया आपको कोई फायदा नहीं देगा। गर्मियों का मौसम आ गया है। हर साल इस समय विदेशी कंपनियों के शीतल पेय की बिक्री में उछाल आता है। इस साल संकल्प लें कि नींबू, पुदीना, छाछ, लस्सी, सत्तू और शर्बत आदि का सेवन करेंगे। इन पर खर्च किया गया रुपया अर्थव्यवस्था को ताकत देगा। ये चीजें विदेशी शीतल पेय की तुलना में काफी सस्ती तो हैं ही, स्वास्थ्यवर्द्धक भी हैं।

गर्मियों की छुट्टियों में कई लोग विदेश घूमने का कार्यक्रम बनाते हैं। इसमें काफी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। अगर इस साल विदेश जाने के बजाय अपने देश में घूमने का कार्यक्रम बनाएं तो बहुत अच्छा रहेगा। इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी। अपने देश में पर्यटन संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। ब्याह-शादियों में कपड़ों की मांग बहुत होती है। कई लोग विदेशी ब्रांड के कपड़े पहनकर गर्व महसूस करते हैं। हालांकि गर्व की बात तो तब होती, जब हम लोग स्वदेशी कपड़े पहनें। इसी तरह जूते, चप्पल, परफ्यूम, मोबाइल फोन जैसी चीजें स्वदेशी लेने की आदत डालें। जब दुकानदार से कहेंगे कि 'स्वदेशी ही चाहिए', तो वे स्वदेशी माल को प्राथमिकता देंगे। समस्त देशवासी यह संकल्प लें तो महीनेभर में ही असर दिखाई देना शुरू हो जाएगा। रुपया जोरदार वापसी करेगा। अक्सर आम लोगों को रुपए में गिरावट के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं होती है। जब उन्हें बताया जाता है तो उनकी प्रतिक्रिया कुछ ऐसी होती है- 'हमें डॉलर से क्या मतलब है? कहां गिरा है रुपया? हमारी वजह से कैसे गिरा है?' उन्हें मुद्रा में गिरावट आने की वजह के बारे में बताया जाए। इसके अलावा उन तरीकों की जानकारी दी जाए, जो रुपए की मजबूती में योगदान दे सकते हैं। जनता को इसे आंदोलन बनाना होगा। रुपए को वापस मजबूत बनाना होगा। इसमें कुछ योगदान नेतागण भी दें। वैसे, उनकी जिम्मेदारी सबसे ज्यादा है। वे महात्मा गांधी, भगत सिंह जैसे महापुरुषों की बातें तो खूब करते हैं, लेकिन उनके जैसी सादगी नहीं अपनाते। गांधीजी ने स्वदेशी को स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा बना दिया था। क्या आज सभी दलों के नेता मिलकर कुछ ऐसा नहीं कर सकते, जिससे अपने देश के उद्योग-धंधों को बढ़ावा मिले और अपनी मुद्रा मजबूत हो? कुछ नेता तेल-गैस के मुद्दे पर बयान देते हैं, सरकार को जी भरकर कोसते हैं और अपनी कार में बैठकर चले जाते हैं। अगर वे साइकिल चलाएं, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें और थोड़ा पैदल भी चलें, तो उनके शब्दों पर लोग विश्वास करेंगे। कोरे बयानों से कुछ नहीं होगा।

ट्वीटर टॉक

आज मुख्यमंत्री निवास पर भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान के महानिदेशक श्री टी.पी. सिंह एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं भविष्य की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

-भजनलाल शर्मा

राजस्थान फाउंडेशन डे के उपलक्ष्य पर प्रवासी राजस्थानी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मनमोहक राजस्थानी लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ हमारी समृद्ध परंपराओं और गौरवशाली विरासत की सुंदर झलक दिखा गईं।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

आज सदन में लोक सभा के पूर्व सदस्य रहे जंगबीर सिंह और नारायण साहू जी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जंगबीर सिंह हरियाणा के भिवानी संसदीय क्षेत्र से 10वीं लोक सभा के सदस्य तथा नारायण साहू ओडिशा के देवगढ़ संसदीय क्षेत्र से 7वीं लोक सभा के सदस्य रहे।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

संवेदना का मूल्य

एक साधारण परिवार में जन्मा बालकचंद्रगुप्त मौर्य गुरुकुल में शिक्षा प्राप्त कर रहा था। उसके गुरु, महान नीतिकार चाणक्य, उसे केवल शास्त्र ही नहीं, जीवन का गूढ़ ज्ञान भी सिखा रहे थे। एक दिन गुरुकुल में एक निर्धन बालक अपमान से भरी आंखों के साथ रोता हुआ आया। कुछ शिष्यों ने उसकी गरीबी का उपहास उड़ाया था। वहां उपस्थित चंद्रगुप्त ने सब देखापर मौन रहा। चाणक्य की दृष्टि से यह दृश्य छिपा नहीं। उन्होंने सभी शिष्यों को एकत्र किया और गंभीर स्वर में कहा 'याद रखो, जहां भावनाओं का अपमान होता है, वहां ज्ञान भी टिक नहीं सकता। सम्मान ही सच्चे नेतृत्व की आत्मा हैऔर जहां अपमान होता है, वहां रिश्ते और समाज दोनों सूख जाते हैं।' फिर उनकी दृष्टि चंद्रगुप्त पर ठहर गई 'यदि तुम भविष्य में सम्राट बनो, पर अपने ही लोगों के हृदय को न समझ सको, तो क्या तुम्हारा साम्राज्य स्थायी रह पाएगा?' ये शब्द चंद्रगुप्त के अंतर्मन को झकझोर गए। उसे अपने मौन का अपराध समझ आया। वह तुरंत उस बालक के पास गया, उसके आंसू पोंछे, और पूरे सम्मान के साथ उसे अपने पास बैठाया। समय बीता आगे चलकर चंद्रगुप्त महान सम्राट बना।

सामयिक

एआई का उदय, इंसानों का पतन

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

ऑरेकल की यह छंटनी एक कठोर लेकिन जरूरी सच सामने लाती है-भविष्य में नौकरी नहीं, केवल कौशल सुरक्षित होंगे। अब किसी कंपनी के साथ वर्षों की वफादारी आपको नहीं बचा सकती। आपको हर कुछ वर्षों में खुद को बदलना होगा, नई तकनीक सीखनी होगी और मशीन से आगे सोचने की क्षमता बनानी होगी।

जिस दिन तलवारें चलती हैं, लोग चीख उठते हैं। जिस दिन गोलियां बरसती हैं, दुनिया उसे सुर्खियां बना देती है। लेकिन जब किसी देश के बारह हजार सपनों को खामोशी में दफना दिया जाए, तब कोई शोर नहीं उठता। न सायरन बजता है, न सड़कें रुकती हैं। बस मोबाइल स्क्रीन जलती है, इनबॉक्स खुलता है और कुछ ठंडे शब्द मेहनत, भरोसे और भविष्य को एक पल में राख कर देते हैं-टुडे इज़ योर लास्ट वर्किंग डे। ऑरेकल ने भारत में लगभग 12,000 कर्मचारियों को एक झटके में बाहर कर दिया। 31 मार्च 2026 की सुबह ठीक छह बजे बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे के हजारों घरों में उस सुबह चाय के कप हाथों में ही ठहर गए। जो लोग रात तक खुद को सुरक्षित मान रहे थे, वे सुबह बेरोज़गार थे। यह सिर्फ नौकरी जाने की घटना नहीं थी। यह उस नए दौर का ऐलान था, जिसमें मशीनें आगे बढ़ रही हैं और इंसान पीछे धकेले जा रहे हैं।

ऑरेकल की भारत में कुल कार्यशक्ति लगभग 30,000 थी। उनमें से 40 प्रतिशत से अधिक लोगों को हटाना किसी सामान्य पुनर्गठन का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। इसके पीछे साफ आर्थिक गणित है। कंपनी इस समय एआई आधारित डेटा सेंटर, क्लाउड ऑटोमेशन और जेनरेटिव सिस्टम्स पर लगभग 156 अरब डॉलर लगा रही है। इतनी बड़ी पूंजी जुटाने का सबसे आसान रास्ता लागत घटाना है, और वैश्विक कंपनियों के लिए भारत हमेशा सबसे सस्ता, सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला श्रम बाजार रहा है। इसलिए अमेरिका या यूरोप की तुलना में भारत में छंटनी करना उन्हें कम महंगा पड़ता है। यानी जिन भारतीय इंजीनियरों ने वर्षों तक कंपनी के लिए अरबों डॉलर कमाए, वही सबसे पहले बलि चढ़ ग ए ।

इस छंटनी की सबसे बड़ी वजह केवल लागत घटाना नहीं, बल्कि तकनीक का बदलता चेहरा भी है। पहले एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए सैकड़ों इंजीनियरों की जरूरत होती थी। कोई कोड लिखता था, कोई टेस्टिंग करता था, कोई डेटाबेस संभालता था, कोई रिपोर्ट बनाता था। कंपनी अब एआई डेटा सेंटर और क्लाउड ऑटोमेशन पर भारी निवेश कर रही है, जिससे कई दोहराए जाने वाले और रूटीन कार्यों में कम लोगों की जरूरत पड़ रही है। जेनरेटिव एआई कोड लिखने, टेस्टिंग और रिपोर्टिंग जैसे कामों को तेज़ कर रहा है, लेकिन छंटनी का मुख्य कारण विशाल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्च के लिए कैश फ्लो जुटाना है। यही वजह है कि ऑरेकल जैसी कंपनियां कर्मचारियों को खर्च और एआई को निवेश मानने लगी हैं।

इन आंकड़ों के पीछे दबी सच्चाई कहीं अधिक भयावह और निर्मम है। बारह हजार कर्मचारियों की छंटनी केवल एक आंकड़ा नहीं, बारह हजार परिवारों पर टूटा हुआ संकट है। किसी ने हाल ही में घर खरीदा था और हर महीने भारी ईएमआई देनी थी। किसी के बच्चे का दाखिला बड़े स्कूल में हुआ था। कोई बूढ़े माता-पिता की दवाइयों और इलाज का सहारा था। पुणे का एक इंजीनियर, जो दस साल से कंपनी में था, सुबह रोज़ की तरह लॉग-इन करने बैठा, लेकिन उसका सिस्टम एक्सेस बंद था। कुछ ही मिनटों में उसे समझ आ गया कि जिस कंपनी को उसने अपनी जवानी और मेहनत दी, उसी ने उसे एक ईमेल में खत्म कर दिया। कॉर्पोरेट दुनिया में वफादारी की कीमत अब शायद एक पासवर्ड से भी कम रह गई है।

यह सिर्फ ऑरेकल की कहानी नहीं है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और दूसरी बड़ी टेक कंपनियां भी तेजी से उसी दिशा में बढ़ रही हैं। वे लगातार ऐसे एआई सिस्टम बना रही हैं जो इंसानों का काम घटा सकें। भारत की आईटी इंडस्ट्री वर्षों से आउटसोर्सिंग मॉडल पर टिकी रही। विदेशी कंपनियां यहां इसलिए आईं क्योंकि भारतीय इंजीनियर कम पैसे में ज्यादा काम करते थे। लेकिन अब वही कंपनियां मशीनों को भारतीय इंजीनियरों से भी सस्ता और तेज़ मानने लगी हैं। भारत हर साल लाखों इंजीनियर तैयार करता है, लेकिन उनमें से अधिकतर को वही कौशल सिखाए जाते हैं जो आसानी से ऑटोमेट हो सकते हैं। अगर शिक्षा और उद्योग का यही मॉडल चलता रहा, तो आने वाले वर्षों में डिग्रियां बढ़ेंगी, लेकिन नौकरियां घटती जाएंगी। यही वह क्षण है जब भारत को अपनी सोच बदलनी होगी। हमें सिर्फ कोड लिखने वाले तकनीकी मजदूर नहीं, तकनीक बनाने वाला राष्ट्र बनना होगा।

अगर भारतीय युवा केवल पुराने सॉफ्टवेयर और दोहराए जाने वाले काम सीखते रहेंगे, तो एआई उन्हें धीरे-धीरे अप्रासंगिक बना देगा। लेकिन अगर वही युवा मशीन लर्निंग, एआई रिसर्च, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, चिप डिजाइन और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ें, तो वे इस बदलाव के शिकार नहीं, उसके निर्माता बन सकते हैं। सरकार को भी केवल स्किल इंडिया का नारा नहीं देना चाहिए। अब समय एआई इंडिया की वास्तविक नीति बनाने का है, जिसमें कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और प्रशिक्षण संस्थानों को पूरी तरह बदला जाए।

ऑरेकल की यह छंटनी एक कठोर लेकिन जरूरी सच सामने लाती है-भविष्य में नौकरी नहीं, केवल कौशल सुरक्षित होंगे। अब किसी कंपनी के साथ वर्षों की वफादारी आपको नहीं बचा सकती। आपको हर कुछ वर्षों में खुद को बदलना होगा, नई तकनीक सीखनी होगी और मशीन से आगे सोचने की क्षमता बनानी होगी। बारह हजार सपनों का यह डिजिटल कत्लेआम सिर्फ एक खबर नहीं, आने वाले समय की चेतावनी है। अगर भारत ने इस चेतावनी को नहीं समझा, तो अगली बार संख्या और बड़ी हो सकती है। लेकिन अगर हम इस दर्द को सबक बना लें, तो वही भारत, जिसे आज एआई से डराया जा रहा है, कल एआई की दुनिया का नेतृत्व कर सकता है।

चिंतन

सूली से उठती शांति की पुकार

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है। कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों को दर्शन दिए, उन्हें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। ईस्टर की आराधना विशेष रूप से

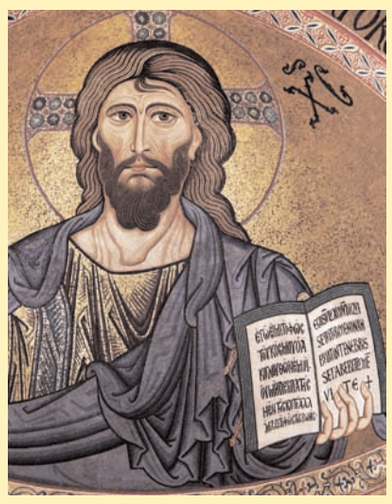

उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलिनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धैर्य और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

नजरिया

आटिज्म का खतरा : मानसिक विकास हो रहा प्रभावित

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

देश और दुनिया की अनेक शोध रिपोर्टों में बताया गया है कि कम उम्र में बच्चों को फोन थमाने से उनका मानसिक विकास प्रभावित होता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों की मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आदत उनमें वर्चुअल ऑटिज्म के खतरे को भी बढ़ा रही है। वर्चुअल ऑटिज्म के लक्षण आमतौर पर चार से पांच साल के बच्चों में दिखाई देते हैं। आटिज्म के बारे में अधिकांश देशवासी परिचित नहीं है। ऑटिज़्म एक ऐसी सामाजिक और मानसिक बीमारी है जो किसी के बोलने, बातचीत करने तथा हरकतों में दिखाई देती है। इससे पीड़ित लोग कम्युनिकेशन में कमज़ोर होते हैं, उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है और कई बार ट्रिगर्स की वजह से चिढ़ और गुस्सा भी देखा गया है। मोबाइल का ज्यादा उपयोग करने से बच्चों में स्पीच डेवलपमेंट नहीं हो पाता और उनका ज्यादातर समय गैजेट्स में ही बीत जाता है इससे उनका व्यवहार खराब होने लगता है। कई बार उनके नखरे भी बहुत बढ़ जाते हैं और वे आक्रामक भी हो सकते हैं। स्मार्टफोन से उनके सोने का पैटर्न भी बिगड़ जाता है। प्रगति और विकास की अंधी दौड़ में हम अपने बच्चों को उन बीमारियों की और धकेल रहे है जिससे उनका शारीरिक और विशेषकर मानसिक विकास बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बच्चों की इस घातक बीमारी को चिकित्सक आटिज्म के नाम से सम्बोधित करते है। भारत में

मोबाइल फोन, टीवी, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन सबसे बच्चों में आटिज्म की बीमारी बढ़ रही है और उनकी सोशल कम्युनिकेशन और बिहैवियर स्किल्स प्रभावित हो रही हैं।

68 में से 1 बच्चा इस रोग का शिकार है। देखा जाता है यह बीमारी मोबाइल फोन से सम्बंधित है। मोबाइल फोन,टीवी, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहे हैं। दुनिया भर में हुई तमाम रिसर्च और रिपोर्टें बताती हैं कि कम उम्र में बच्चों को फोन थमाने से उनका मानसिक विकास प्रभावित होता है। इतना ही नहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक मोबाइल, गैजेटस और ज्यादा टीवी देखने की लत बच्चों का भविष्य खराब कर रही है। इससे उनमें वर्चुअल आटिज्म का खतरा बढ़ रहा है। आज के दौर में फोन ही जीवन का आधार हो गया है। हर किसी को स्मार्टफोन और इंटरनेट की लत लगी है। आज देश के घर घर में स्मार्ट फोन ने अपना कब्ज़ा जमा लिया है। आज घर घर में बच्चे धड़ल्ले से मोबाइल पर स्क्रीनिंग कर रहे है। उन्हें इस बात की कोई चिंता नहीं है की यह उनके स्वास्थ्य के लिए कितनी खतरनाक है। देखा जा रहा है अभिभावक अपने बच्चों के सामने बेबस है।

मोबाइल फोन, टीवी, टैबलेट, कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इन सबसे बच्चों में आटिज्म की बीमारी बढ़ रही है और उनकी सोशल कम्युनिकेशन और बिहेवियर स्किल्स प्रभावित हो रही हैं। इसमें बच्चों से माता-पिता का संवाद कम होना, बच्चों का बहुत ज्यादा अकेले में रहना, स्क्रीन टाइम यानी टीवी, मोबाइल का अत्यधिक प्रयोग करना आदि कारण शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देश भर में बच्चों में वर्चुअल ऑटिज्म के मामलों की संख्या में पिछले एक दशक में तीन से चार गुना वृद्धि देखी गई है। मां-बाप के बीच एक यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि वो अपने बच्चों का मन बहलाने के लिए उन्हें कहानी या लोरियां सुनाने की जगह मोबाइल फोन और अन्य गैजेट पकड़ा देते है। इस सामाजिक और मानसिक समस्या से छुटकारा पाने के लिए यह जरुरी है की माता पिता पहले अपनी आदतों में सुधार करे फिर अपने बच्चों को सुधारे।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मुलाकात

विदेश मंत्री एस. जयशंकर बुधवार को नई दिल्ली में मध्य एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 सदस्यों वाले युवा प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए।

न्यूजीलैंड और कुक आईलैंड्स ने चीन के कारण उत्पन्न तनाव कम करने के लिए रक्षा समझौता किया

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)/एपी। न्यूजीलैंड और कुक आइलैंड्स ने बृहस्पतिवार को रक्षा और सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे प्रशांत क्षेत्र के इन दोनों देशों के बीच एक साल से अधिक समय से जारी तनाव में कमी आने की उम्मीद है।कुक आइलैंड्स के चीन के साथ बढ़ते संबंधों को लेकर यह तनाव पैदा हुआ था।

यह कूटनीतिक गतिरोध इतना बढ़ गया था कि न्यूजीलैंड ने कुक आइलैंड्स को दी जाने वाली करोड़ों डॉलर की सहायता पर अस्थायी रोक लगा दी थी। हालांकि, यह टकराव बड़ी भू-राजनीतिक शक्तियों के बीच नहीं था। न्यूजीलैंड की आबादी लगभग 50 लाख है, जबकि कुक आइलैंड्स की जनसंख्या मात्र 15,000 है। लेकिन यह लंबा गतिरोध प्रशांत महासागर के पर्यवेक्षकों के लिए चिंता का विषय बन गया, क्योंकि इससे उन छोटे द्वीपीय देशों की जद्दोजहद उजागर हुई, जो न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे पश्चिमी देशों के साथ करीबी संबंध रखते हैं और पारंपरिक गठबंधनों को बीजिंग की पहल के साथ संतुलित करने का प्रयास कर रहे हैं। नई घोषणा में कुक आइलैंड्स ने यह वादा किया कि रक्षा और सुरक्षा मामलों में न्यूजीलैंड उसका प्राथमिक साझेदार रहेगा।

न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने कहा कि समझौते ने दोनों देशों के मौजूदा संबंधों को लेकर अस्पष्टता दूर की है। कुक आइलैंड के चीन के साथ समझौते को लेकर कूटनीतिक विवाद शुरु हुआ था। कुक आइलैंड्स के प्रधानमंत्री मार्क ब्राउन ने फरवरी 2025 में बीजिंग यात्रा के दौरान अपने देश और चीन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसपर न्यूजीलैंड ने चिंता जताई थी।

हनुमान जन्मोत्सव पर सितारे भी भक्ति में डूबे, सुनील शेट्टी से अक्षय कुमार ने दीं शुभकामनाएं

मुंबई/एजेन्सी

हनुमान जन्मोत्सव का पर्व पूरे देश में बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन लोग मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना करते हैं, भजन गाते हैं और उनसे प्रार्थना करते हैं। इस कड़ी में बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री के कई सितारे भी इस खास दिन पर अपनी आस्था जाहिर करते नजर आए। सुनील शेट्टी ने हनुमान की एक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, ''जब भगवान हनुमान हमारे साथ होते हैं, तो हर मुश्किल आसान हो जाती है। मैं प्रार्थना करता हूं कि बजरंगबली सभी को शक्ति दें और हर किसी की रक्षा करें।'' वहीं, कंगना रनौत ने भी इस पावन अवसर पर अपने फैंस को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ''हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर शुभकामनाएं'' अनुपम खेर ने भी भगवान हनुमान की एक भक्ति से भरी तस्वीर शेयर की और लिखा, ''आपको और आपके परिवार को हनुमान जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं। जय बजरंग बली।'' टीवी के लोकप्रिय शो 'रामायण' में लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले सुनील लहरी ने एक वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, ''सभी को हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं। संकट मोचन हनुमान जी से उनके जन्मदिन पर प्रार्थना है कि जो संकट इस समय दुनिया में आया है उसे जल्दी से जल्दी समाप्त करें।

रोड शो

कोलकाता में गुरुवार को हाजरा क्रॉसिंग पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा उम्मीदवारों के सपोर्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के रोड शो के दौरान कलाकार परफॉर्म करते हुए।

हनुमान जन्मोत्सव पर रिलीज हुआ 'रामायण' का टीजर

मुंबई/एजेन्सी

नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी माइथोलॉजिकल फिल्म 'रामायण' का टीजर आखिरकार सामने आ गया है। हनुमान जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर मेकर्स ने इस फिल्म के फर्स्ट लुक को फैंस के साथ साझा किया, जिससे दर्शकों में उत्साह की लहर दौड़ गई। इस फिल्म में बॉलीवुड स्टार रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं और उनका लुक जारी किया गया है। टीजर में रणबीर कपूर का श्रीराम के अवतार में लुक काफी प्रभावशाली है। उनके चेहरे के हाव-भाव, गेटअप और पोशाक की बारीकियों ने राम के चरित्र को जीवंत कर दिया है। टीजर में यश रावण के रूप में और रवि दुबे लक्ष्मण के रूप में नजर आते हैं, जबकि साई पल्लवी माता सीता की भूमिका में दिखाई देती हैं। हालांकि फिल्म का फोकस पूरी तरह से श्रीराम पर था लेकिन बाकी किरदारों की झलक भी कहानी का रोमांच बढ़ाती है।

रणबीर कपूर ने इस फर्स्ट लुक को साझा करते हुए कहा कि राम के किरदार को निभाना उनके लिए विनम्र अनुभव रहा है। उन्होंने कहा, ''मैं नहीं सोचता कि मैं राम का प्रतिनिधित्व करने आया हूं। मैं उनसे सीखने आया हूं।

फिल्म 'राजा शिवाजी' का दमदार टीज़र आउट

मुंबई/एजेन्सी

रितेश देधमुख द्वारा निर्देशित और अभिनीत फिल्म राजा शिवाजी का पहला टीज़र सामने आ चुका है, जो एक भव्य ऐतिहासिक कथा की झलक पेश कर रहा है। शानदार स्केल, दमदार विज़ुअल्स और प्रभावशाली किरदारों के साथ यह टीज़र फिल्म की बड़ी और महत्वाकांक्षी सोच को दर्शा रही है, जो दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दे रही है। हालांकि टीज़र में रितेश देशमुख के साथ विधा बालन की दमदार मौजूदगी ने दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है। शाही अंदाज़ में पारंपरिक परिधानों के साथ सोने के गहनों से लदी और क्लासिक नथ के साथ उनका किरदार बेहद गरिमामयी लग रहा है। हालांकि इस गरिमामयी किरदार को और प्रभावशाली बना रही है उनकी प्रभावशाली आवाज़ और दमदार संवाद अदायगी, जो उनके किरदार को और गहराई दे रही है। शक्ति, आत्मविश्वास और गंभीरता समेटे उनका यह किरदार, उनकी बेहतरीन अभिनय क्षमता का एक और उदाहरण है। गौरतलब है कि टीज़र के माध्यम से फिल्म की कहानी और किरदारों को लेकर दर्शकों में उत्सुकता चरम पर पहुँच चुकी है।

इसी के साथ रितेश देशमुख का निर्देशक और मुख्य अभिनेता के रूप में दोहरी भूमिका निभाना इस प्रोजेक्ट को और खास बना रहा है। ऐसे में दर्शक बेसब्री से फ़िल्म रिलीज़ का इंतज़ार कर रहे हैं, जिससे वह राजा शिवाजी की ऐतिहासिक कहानी को बड़े पर्दे पर जीवंत होते देख सकें।

रोहित शेट्टी फायरिंग केसः जेल में बैठे लॉरेंस बिश्नोई गैंग के संपर्क में था गोलू पंडित, वीपीएन के जरिए करता था बातें

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई में फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर पर हुई फायरिंग के मामले में अब एक बेहद चौंकाने वाला अपडेट सामने आया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इस केस में गिरफ्तार आरोपी गोलू पंडित उर्फ प्रदीप शर्मा का सीधा संपर्क कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से था। पूछताछ के दौरान गोलू ने दावा किया कि वह एक मिडल मैन के जरिए वीपीएन का इस्तेमाल कर गैंग के सरगना और अमेरिका में बैठे हेरी बॉक्सर से संपर्क में था। मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के अनुसार, गोलू पंडित पर्दे के पीछे रहकर पूरे नेटवर्क को संभाल रहा था। जांच एजेंसियों का कहना है कि गोलू ने कनेक्टर की भूमिका निभाई, यानी उसने शूटर और गैंग के लोगों के बीच पुल का काम किया। उसने मुख्य शूटर दीपक को गैंग से जुड़े लोगों से मिलवाया और उसे इस वारदात के लिए तैयार करने में अहम भूमिका निभाई। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि घटना के

बाद गोलू पंडित फरार हो गया था और उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए मोबाइल नंबर और लोकेशन बदल ली थी। हालांकि पुलिस ने तकनीकी सर्विलांस की मदद से उसकी लोकेशन ट्रेस कर ली और आखिरकार उसे आगरा से गिरफ्तार कर लिया गया। अब पुलिस उस मिडलमैन की तलाश में जुटी है, जिसके जरिए गोलू गैंग से संपर्क करता था।

जांच एजेंसियों का मानना है कि इस कड़ी तक पहुंचना बेहद जरूरी है, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सके। 31 जनवरी की देर रात जुहू स्थित रोहित शेट्टी के घर पर अंधाधुंध फायरिंग की गई थी। हमलावरों ने इमारत की पहली मंजिल को निशाना बनाते हुए कई राउंड गोलियां चलाई थीं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। घटना के तुरंत बाद मुंबई पुलिस हरकत में आई और मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि इस हमले के पीछे उगाही का मकसद था। आरोपियों को पैसों का लालच देकर इस वारदात के लिए तैयार किया गया था। मुख्य शूटर दीपक शर्मा को 15 लाख रुपए देने का वादा किया गया था, जिसमें से 50 हजार रुपए एडवांस दिए गए थे। अब तक इस मामले में 14 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें शूटर, हथियार सप्लाई करने वाले और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने वाले लोग शामिल हैं। पुलिस ने फायरिंग में इस्तेमाल किया गया हथियार भी बरामद कर लिया है, जिसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

ईरान युद्ध में नेतन्याहू की रणनीति : राजनीतिक लाभ और बढ़ते जोखिम

सिडनी। बेंजामिन नेतन्याहू के लिए ईरान के साथ जारी युद्ध सैन्य कार्रवाई से कहीं अधिक एक रणनीतिक और राजनीतिक दांव बन गया है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष का यह दूसरा महीना है और शुरुआती सफलताओं के बावजूद अब इसकी दिशा जटिल होती जा रही है।

विश्लेषण के अनुसार, अमेरिका और इजराइल के बीच रणनीतिक मतभेद इस स्थिति का एक प्रमुख कारण हैं। अमेरिका लंबे समय से फारस की खाड़ी में संतुलन बनाए रखने की नीति पर चलता रहा है, जो 1980 के कार्टर सिद्धांत पर आधारित है। इस नीति का उद्देश्य क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखना और तेल आपूर्ति को सुरक्षित रखना रहा है। इसी कारण, अमेरिका ने दशकों तक ईरान को खतरा मानने के बावजूद उसके खिलाफ प्रत्यक्ष बड़े सैन्य अभियान से परहेज किया।

इसके विपरीत, इजराइल के लिए ईरान एक प्रत्यक्ष सुरक्षा चुनौती है। ईरान तथाकथित एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस का प्रमुख हिस्सा है, जिसमें सीरिया, हिज़्बुल्ला, हूती और हमास जैसे समूह शामिल हैं। ये समूह इजराइल के खिलाफ प्रतिरोध को समर्थन देते रहे हैं। अक्टूबर 2023 में हमास के हमलों के बाद नेतन्याहू सरकार ने अपनी उस रणनीति को तेज किया, जिसके तहत दुश्मन की सैन्य और नेतृत्व क्षमता को लगातार कमजोर किया जाता है।

इजराइल ने इसी रणनीति के तहत हमास और हिज़्बुल्ला पर कड़े हमले किए और अब वह ईरान को भी निशाना बना रहा है। इसमें शीर्ष नेताओं की हत्या और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाना शामिल है। इस रणनीति से अल्पकालिक सैन्य सफलता तो मिल रही है, लेकिन इसके मानवीय और कूटनीतिक दुष्परिणाम भी सामने आ रहे हैं।

यह युद्ध नेतन्याहू के लिए घरेलू राजनीति में भी अहम है। आगामी चुनावों से पहले वह खुद को मजबूत नेता के रूप में पेश कर सकते हैं, खासकर 2023 के हमास हमलों से छवि को हुए नुकसान के बाद। यदि वह यह दिखाने में सफल रहते हैं कि उनकी सरकार ने इजराइल के दुश्मनों को कमजोर किया है, तो इससे उन्हें चुनावी लाभ मिल सकता है। हालांकि, इसके साथ कई जोखिम भी जुड़े हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजराइल के समर्थन में गिरावट आई है, खासकर अमेरिका और यूरोप में। इजराइल को मिलने वाली अमेरिकी सैन्य और आर्थिक सहायता उसकी सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है, और इसमें कमी आने से उसकी स्थिति कमजोर हो सकती है।

विरोध

यूनाइटेड नर्सिंग एसोसिएशन के सदस्य गुरुवार को अमृतसर के गुरु नानक देव हॉस्पिटल में ग्रेड पे की अपनी मांग के सपोर्ट में पंजाब सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान नारे लगाते हुए।

फिल्मों को प्रोपेगेंडा बताना गलत, शो का हाउसफुल होना दर्शकों की पसंद का सबूत : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा में कई बार फिल्में रिलीज होते ही विवादों में घिर जाती हैं। ऐसा ही कुछ डायरेक्टर आदित्य धर की फिल्म फ्रेंचाइजी 'धुरंधर' के साथ हुआ। कुछ आलोचक और दर्शक इसे 'प्रोपेगेंडा फिल्म' कह रहे हैं, लेकिन वरिष्ठ अभिनेता अनुपम खेर ने इसे नकारते हुए कहा कि असली मायने और सफलता दर्शकों की पसंद में ही छिपी है। अनुपम खेर ने फिल्म और उसके निर्माताओं की सराहना करते हुए आलोचकों को नजरअंदाज करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कुछ लोग फिल्मों को प्रोपेगेंडा बताने में लगे रहते हैं और हम उनके दावे पर जरूरत से ज्यादा ऊर्जा खर्च कर रहे हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, ''हमें उन लोगों के लिए 'आरआईपी' कहना चाहिए जो फिल्मों को प्रोपेगेंडा कह रहे हैं। हम उन्हें ज्यादा महत्व दे रहे हैं। वे

अप्रासंगिक हैं, अनावश्यक हैं।'' उन्होंने कहा कि ऐसी आलोचनाएं फिल्म की असली कीमत या दर्शकों के अनुभव को नहीं बदल सकतीं।

अनुपम खेर ने आगे जोर देकर कहा, ''किसी भी फिल्म की असली सफलता दर्शकों पर निर्भर करती है, न कि मीडिया या आलोचकों की बनाई गई कहानियों पर। दर्शक समझदार होते हैं और अपनी पसंद खुद तय करते हैं।''उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में कभी-कभी विवाद और बहस को असली मुद्दे से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। मेरा मानना है कि अगर हम फिल्में बनाने वाले कलाकारों और उनकी मेहनत की सराहना करें, तो यह बेहतर होगा। फिल्में दर्शकों के लिए बनाई जाती हैं, और अगर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल होती हैं, तो इसका मतलब यही है कि जनता ने इसे पसंद किया।अनुपम खेर ने कहा, ''फिल्में दर्शकों के बीच भावनाओं और अनुभवों को भी साझा करती हैं। इसलिए फिल्मों की आलोचना करने वालों पर ज्यादा ध्यान देने के बजाय हमें उनकी उपलब्धियों और दर्शकों की प्रतिक्रिया को देखना चाहिए। आखिरकार, असली विजेता वही है जिसे दर्शक पसंद करते हैं। अगर शो हाउसफुल हो जाता है, तो यह दर्शकों की पसंद का सबूत है।'' फिल्म फ्रेंचाइजी 'धुरंधर' के पहले पार्ट को दर्शकों से काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इसके बाद इसका सीक्वल 'धुरंधर 2: द रिवेंज' 19 मार्च को रिलीज हुआ।

सुबह सही तो सब सही : सामंथा रूथ प्रभु

नई दिल्ली/एजेन्सी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग फिटनेस, स्किन और मानसिक शांति के लिए कई तरीके अपनाते हैं, लेकिन अक्सर छोटी-छोटी आदतों को नजरअंदाज कर देते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु ने अपनी 'पावर मॉर्निंग' रूटीन साझा की है। उन्होंने बताया कि कैसे सही तरीके से दिन की शुरुआत करने से न सिर्फ शरीर बल्कि दिमाग पर भी सकारात्मक असर पड़ता है। सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने कई तरह की मॉर्निंग रूटीन आजमाई हैं, लेकिन आखिरकार उन्हें एक ऐसा आसान तरीका मिला जो उनके लिए सबसे ज्यादा असरदार साबित हुआ। उन्होंने इसे 'पावर मॉर्निंग' नाम दिया। सामंथा ने कहा, ''अगर सुबह सही तरीके से शुरू होती है, तो पूरा दिन सबकुछ सही होता है। ऊर्जा अपने आप बेहतर हो जाती है।'' वीडियो में सामंथा ने कहती है, ''कई बार लोग सब कुछ सही करने के बावजूद भी पेट की चर्बी कम नहीं कर पाते, स्किन की समस्याएं बनी रहती हैं या सुबह उठते समय चेहरा सूजा हुआ लगता है। इसकी एक बड़ी वजह गलत मॉर्निंग रूटीन हो

सकती है। इसलिए लोगों को अपनी सुबह की आदतों पर ध्यान देना जरूरी है।''

सामंथा ने खासतौर पर स्ट्रेस हार्मोन कॉर्टिसोल के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''सुबह उठते ही शरीर में कॉर्टिसोल का स्तर ज्यादा होता है, जो सामान्य है। लेकिन अगर हम उठते ही फोन, न्यूज या काम देखने लगते हैं, तो यह स्ट्रेस और बढ़ जाता है। इससे दिनभर ध्यान कम रहता है।''

अपनी रूटीन को विस्तार से बताते हुए सामंथा ने सबसे पहला नियम बताया कि उठने के बाद एक घंटे तक फोन का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इसके बाद कुछ मिनट शांति में बैठकर गहरी सांस लेनी चाहिए।

इससे दिमाग को संकेत मिलता है कि आप सुरक्षित हैं, जिससे शरीर बेहतर तरीके से काम करता है और हेल्थ पर अच्छा असर पड़ता है। इसके अलावा, उन्होंने कहा, ''उठने के 10 मिनट के अंदर चेहरे पर धूप लेना फायदेमंद होता है। साथ ही एक हेल्दी ड्रिंक और संतुलित नाश्ता ब्लड शुगर को कंट्रोल रखता है।''

इस वीडियो के कैप्शन में सामंथा ने लिखा, इस रूटीन को बनाने में मुझे कई साल लगे, लेकिन इसका असर मेरी जिंदगी पर गहराई से पड़ा है। आप 21 दिनों तक इस रूटीन को लगातार अपनाएं। शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हो सकती है, लेकिन अगर आप इसे जारी रखते हैं तो आप खुद महसूस करेंगे कि आप अपनी जिंदगी को कितना बदल सकते हैं।

जीतो के 'विश्व नवकार दिवस' को लेकर तैयारियां व रजिस्ट्रेशन जोरों पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ व नार्थ चैप्टर द्वारा 9 अप्रैल को फ्रीडम पार्क में जीतो की प्रमुख राष्ट्रीय परियोजना के तहत विश्व शांति के लिए नवकार महामंत्र सामूहिक जाप कार्यक्रम का आयोजन सुबह 6:45 बजे से किया जा रहा है। यह आयोजन जीतो द्वारा विश्वभर में एक ही दिन और समय पर आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के संदर्भ में जीतो चामराजपेट कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें उपस्थित विभिन्न सभा संस्थाओं, महिला व बालिका मंडल के प्रतिनिधियों को नवकार महामंत्र दिवस के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया का समझाया गया। जीतो के अध्यक्ष रंजीत सोलंकी ने सभी का स्वागत किया। महिला साउथ की अध्यक्ष बबीता रायसोनी और नॉर्थ की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने उपस्थित जनों को रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया समझाई तथा सभी को नवकार महामंत्र दिवस के लिए अपने आसपास के सभी लोगों को रजिस्टर करवाने के लिए प्रेरित करने का निवेदन किया। बैठक में अखिल भारतीय श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष मनोज बाफना और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने कहा कि महिला शक्ति के साथ मिलकर उनकी मदद से हम एक सफल आयोजन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष पारस गड़ा और जैनम वरीया द्वारा प्रस्तुत की जा रही प्रभु भक्ति मुख्य आकर्षण का केन्द्र है। संयोजक महेंद्र रांका और सह-संयोजक महावीर दांतेवाडिया ने कहा कि इस वर्ष के आयोजन में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना है । विश्व नवकार दिवस एक महत्वपूर्ण आयोजन है जो धर्म के मूल्यों को बढ़ावा देने और शांति एवं सद्भावना का संदेश फैलाने के लिए आयोजित किया जाता है। इस आयोजन में लोग एकत्रित होकर नवकार मंत्र का जाप करते हैं और धर्म के सिद्धांतों को अपनाने का संकल्प लेते हैं। बेंगलूरु के विभिन्न स्थानों पर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया चल रही है, जिनमें मंदिर, उपाश्रय, स्थानक, सभाभवन और दिगंबर मंदिर शामिल हैं।

पर्यटन और मनोरंजन से नष्ट होती हैं तीर्थों की पवित्रता : आचार्य विमलसागरसूरी

चैत्री पूर्णिमा पर पालीताना शत्रुंजय तीर्थ की भावयात्रा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। गुरुवार को जैन मरुधर संघ के तत्वावधान में नवपद आयंबिल की साधना के आखिरी दिन चैत्री पूर्णिमा को पालीताना शत्रुंजय तीर्थ की भावयात्रा के दौरान आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि तीर्थयात्राएं करने से अधिक तीर्थों की रक्षा करना महत्वपूर्ण है, इसलिए जब कभी किसी भी तीर्थ की यात्रा करने जाएं तो सबसे पहले उस तीर्थ की महिमा, पवित्रता, शांति, वहां के नीति-नियम और स्वच्छता का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। पर्यटन और तीर्थयात्रा में मौलिक अंतर है। उसे भलीभांति समझना चाहिए। पर्यटन घूमने-फिरने, खाने-पीने, मौज-मस्ती करने और मनोरंजन के लिए होता हैं, जबकि तीर्थयात्राएं शुद्धरूप से धार्मिक-आध्यात्मिक उन्नति के लिए होती हैं। पर्यटन के लिए तीर्थस्थानों पर जाना अपराध हैं। तीर्थस्थानों को पर्यटन स्थली बनाकर तो हम अपनी संस्कृति और धर्म परंपरा को नष्ट कर देंगे। हरगिज़ ऐसा नहीं होने देना चाहिए। यह बात हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध, सभी धर्मों के अनुयायियों पर लागू होती है। जैन परंपरा में चैत्री पूर्णिमा पालीताना तीर्थ की यात्रा और साधना के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। इस दिन प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ के हजारों शिष्यों की साधना सिद्ध हुई थ।ङ्कजैनाचार्य ने कहा कि मुसलमानों ने अपने मक्का-मदीना को एकदम व्यवस्थित रखा हैं। वहां हज के लिए जाने वाले हर कोई उनकी पवित्रता का पूरा-पूरा ध्यान रखते हैं। यह बात सिखों के अमृतसर, नांदेड़, दिल्ली आदि ऐतिहासिक गुरुद्वारों में भी भलीभांति देखी जा सकती है। लेकिन जैन व हिन्दू तीर्थस्थलियों की हालत दयनीय हैं। वहां लोग पर्यटक बनकर जाने लगे हैं। उन्हें अपने आराध्यों की साधना-उपासना से अधिक, घूमने-फिरने, सेल्फियां लेने, मौज-मस्ती करने, खाने-पीने, ख़रीददारी करने और वहां उद्भट वेशभूषा पहनने के शौक लगे हैं। ऐसा करने से वे ऐतिहासिक तीर्थस्थलियां अपना महत्व खोती जा रही हैं। यह सब धर्म की महान् परंपरा और साधना के लिए घातक हैं, इसलिए ऐसे पर्यटन को रोका जाना चाहिए। सोच समझकर ही श्रद्धा और भावपूर्वक तीर्थयात्रा करनी चाहिए। आराध्य भगवान और देवी-देवता तो ध्यान, साधना, पूजा और भक्ति के लिए होते हैं।

वहां संसार की भोग-उपभोग और वासनाजन्य प्रवृतियां करना सर्वथा अनुचित हैं। ब्रह्मचर्य और पवित्रता साधना की सिद्धि के लिए आवश्यक हैं। आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने आगे कहा कि धर्मग्रंथों में अपने पाप-अपराधों को धोने के लिए तीर्थयात्राएं करने का विधान है। लेकिन पर्यटन की मानसिकता तो पाप अपराधों को धोने के बजाय, उन्हें और अधिक बढ़ाती हैं। जैन आगम शास्त्र कहते हैं कि जो संसार सागर से तिरायें वे तीर्थ कहे जाते हैं। यानी जो मनुष्य को उस पार ले जायें, उन्हें तीर्थ कहा जाता है।ङ्कप्रवचन से पूर्व पालीताना शत्रुंजय तीर्थ के पट्टचित्र का अनावरण कर उसकी वासक्षेप, पुष्प, धूप, दीपक, अक्षत, नैवेद्य, फल आदि से पूजा की गईं। स्तुति पाठ के बाद शत्रुंजय तीर्थ की सामूहिक वंदना हुई। हजारों श्रद्धालु इस आयोजन में सम्मिलित हुए। आज सैकड़ों लोगों ने चैत्री पूर्णिमा का उपवास किया।

'मातृछाया' ने मासिक साधर्मिक भक्ति का किया आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन महिला संगठन 'मातृछाया' द्वारा प्रति माह की भाँति इस माह भी साधर्मिक सेवा के तहत गुरुवार को शंकरपुरम स्थित मातृछाया कार्यालय में जरूरतमंद साधर्मिक परिवारों को खाद्य सामग्री, दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएँ एवं सीजनल फल प्रदान किए गए। इंदिरादेवी विजयराज बाफना परिवार के सौजन्य से आयोजित इस सेवा कार्य में संगठन की मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि यह सेवा जरूरतमंद परिवारों की उन्नति के लिए संचालित है।

इस अवसर पर संगठन की अध्यक्ष ललिता नागोरी, सचिव रेशमा बड़ोला, साधर्मिक कार्य संयोजिका पुष्पा नागोरी, सह-संयोजिका लीला भंसाली एवं नीलम ललवाणी सहित कांतादेवी समदड़िया आदि ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई।

अय्यप्पा स्वामी जन्मोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के पन्दालदा कन्दा भजन मंडली बनशंकरी द्वारा गुरुवार को भगवान अय्यप्पा स्वामी जन्मोत्सव पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ मनाया गया। इस मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान अय्यप्पा स्वामी चित्र के दर्शन कर विश्व में शांति के लिए प्रार्थना की एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की।आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

विभिन्न धार्मिक आयोजन के साथ मनाई हनुमान जयंती

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वैशाली जनकल्याण समिति के सदस्यों ने गुरुवार को हनुमान जयंती के अवसर पर बीटीएम लेआउट स्थित प्रसन्न आंजनेय स्वामी मंदिर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंदिर में सुंदरकांड पाठ, हनुमान चालीसा, भजन-कीर्तन एवं आरती का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के उपरांत सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। समिति के पूजा अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, प्रवीण कुमार पांडेय, मुकेश कुमार सिंह, पंकज सिंह, धीरेंद्र सिंह, एके गुप्ता, निशांत द्विवेदी, सुरेश विश्वकर्मा, पंडित राजन झा आदि ने विभिन्न व्यवस्थाओं में सहयोग दिया।

आंतरिक शुद्धि की वैज्ञानिक प्रक्रिया है तपस्या : आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरी

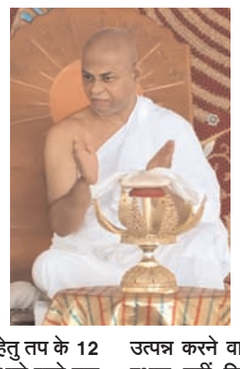

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर स्थित धर्मनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन दर्शन में आत्मिक विकास हेतु तप, धर्म की अनोखी अवधारणा दर्शाई गई है जो तन-मन और आंतरिक शुद्धि में भी मददगार साबित होती है। तप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि तप की वास्तविक परिभाषा है इच्छाओं का निरोध करना क्योंकि जीवन में दुःख का कोई कारण है तो वह है अशुभ इच्छा। तप एक वैज्ञानिक प्रक्रिया है और इच्छाओं को नियंत्रित करने हेतु तप के 12 प्रकार बताए गए हैं। तप की परिभाषा सिर्फ भूखे रहने तक सीमित नहीं है। जिन-जिन माध्यमों से इच्छाओं पर अंकुश लाया जा सकता है उन तमाम प्रक्रियाओं को तप में समाविष्ट किया गया है। बाह्य रूप से कठिन लगने वाला तप वास्तव में व्यक्ति को सुखी बनाने में समर्थ है।ङ्क चैत्र मास में आने वाली नवपद ओली की आराधना के वैज्ञानिक पहलू के बारे में उन्होंने कहा कि किसी भी क्रिया का प्राण भाव होता है और भावों को जागृत करने में अनुकूल द्रव्य, क्षेत्र और काल का सीधा संबंध है जो साधक के भावों को प्रभावित करते हैं। इनमें संधिकाल यानी दो ऋतुओं के बीच का काल है चैत्र मास। ऋतु परिवर्तन में तन, मन को साधना में जोड़ने हेतु आयंबिल तप पर विशेष भार दिया गया है जिसमें सात्विक आहार द्वारा शरीर को पूरा पोषण मिलने पर भी मन में विकार उत्पन्न करने वाले किसी भी प्रकार के तामसी द्रव्यों को स्थान नहीं दिया गया है। प्रवचन के पश्चात संघ के पदाधिकारियों ने चैत्र मास की नवपद ओली की आराधना में सान्निध्य प्रदान करने के लिए आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और संघ में निर्धारित आचार्यश्री के आगामी चातुर्मास को ज्ञानलक्षी बनाने हेतु मार्गदर्शन भी प्राप्त किया।

'मूक प्राणी की पुकार' नामक कार्यक्रम में लगाई जीवदया की गुहार

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । 'कृपा लिविंग एनिमल्स' केंगेरी के सदस्यों ने मंगलवार को भगवान महावीर जन्मकल्याणक पर्व के उपलक्ष्य में 'मूक प्राणी की पुकार' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें संस्था के मुख्य संयोजक अरविंद डोसी ने सभी से जीवदया के लिए आह्वान करते हुए बताया कि संस्था गत 20 वर्षों से बीमार कुत्ते, बिल्ली, आदि पशुओं के सेवा में कार्यरत हैं। यह 600 जीवों का सेवा कार्य दानदाताओं के सहयोग से ही चल रहा है। संयोजक कुशल साकरिया ने दानदाताओं, सेवाभावी सहयोगियों से निवेदन किया कि वे स्वेच्छा से मूक प्राणियों की पुकार सुन उनकी सेवा के लिए आगे आए। चम्पालाल कोठारी व कैलाश संखलेचा ने सभी से जीवदया के लिए सहयोग करने का निवेदन करते हुए दानदाताओं के प्रति आभार जताया।

महावीर जन्म कल्याणक के अवसर पर ब्यावर संघ के किए अनेक कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय ब्यावर संघ के तत्वावधान में महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में मंगलवार को फ्रीडम पार्क में राजेन्द्रकुमार अरिहंतकुमार रेदासनी परिवार के सौजन्य से श्रद्धालुओं को नींबू शर्बत वितरित किया गया। इस सेवा कार्य में संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया, संयोजक सुरेन्द्र भन्साली, उपाध्यक्ष बहादुर कांकरिया, सुशीला कांकरिया आदि सदस्यों ने सेवा दी। इसके अलावा महावीर जन्मोत्सव पर जरुरतमंद साधर्मिक भाइयों को चिकित्सा में सहयोग के साथ जरुरतमंद परिवारों को राशन प्रदान करने की योजना भी चलाई गई। ब्यावर संघ युवा शाखा द्वारा वरघोड़े में अगवानी करते हुए बाइक रैली निकाली।

ब्यावर युवा लेडीज विंग द्वारा परमात्मा महावीर के शासन की सोलह सतियों के बारे में एक झांकी सजाई गई। संघ के महामंत्री रुपचंद कुमट, चेयरमैन महेन्द्र भन्साली, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, सहमंत्री विनय राठौड़, संगठन मंत्री किशन सोलीवाल, ब्यावर संघ युवा शाखा के अध्यक्ष कुलदीप छाजेड़, ब्यावर युवा लेडीज विंग के मोनिका कुमट, जिया हिंगड़ आदि ने विभिन्न कार्यों में सहयोग दिया।

आऊवा महिलाओं का 'म्हारी संस्कृति-म्हारो राजस्थान' कार्यक्रम कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के आऊवा जैन महिला मंडल द्वारा राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, परंपरा एवं लोकजीवन को सजीव रूप में प्रस्तुत करने हेतु 'म्हारी संस्कृति म्हारो राजस्थान' नामक कार्यक्रम शनिवार को दोपहर 2 बजे से बीबीयूएल जैन विद्यालय में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन हेतु एक बैठक का आयोजन हुआ। मंडल की अध्यक्ष मंजु चंडालिया ने बताया कि यह आयोजन समाज की सांस्कृतिक धरोहर को संजोने एवं नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम की संयोजिका बिन्दु रायसोनी, मंत्री हर्षा चोपड़ा, उपाध्यक्ष मधु पावेचा, सहमंत्री सविता पी. पोरवाल, कोषाध्यक्ष राखी सुंदेशा मुथा सहित अनेक सदस्याएं बैठक में शामिल हुई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेवाकार्य

बेंगलूरु के अलसूर स्थित प्राचीन सोमेश्वर मंदिर के भगवान सोमेश्वर के वार्षिक रथोत्सव के आयोजन में क्षेत्र के प्रवासी जैन समुदाय ने बुधवार को भक्तों की सुविधा के लिए भोजन, छाछ, शीतल पेय आदि की व्यवस्था की। श्रद्धालुओं ने रथ को रस्से से खींचने का पुण्य लाभ लिया। सुसज्जित रथ बाजार स्ट्रीट और कार स्ट्रीट होते हुए अपने गंतव्य पर पहुंचा। परंपरानुसार भक्तों द्वारा रथ पर केले, कालीमिर्च और नमक उछाला जाता है और परिवार की समृद्धि की कामना की जाती है ।

रायचूर संघ के नेत्र जांच शिविर में 400 लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय रायचूर जैन संघ बेंगलूरु के सदस्यों ने मंगलवार को भगवान महावीर स्वामीजी के जन्मकल्याणक महोत्सव पर फ्रीडम पार्क में नेत्र जांच शिविर व आईड्राप वितरण का आयोजन किया। इस शिविर में डॉ अग्रवाल आई हास्पिटल की टीम ने करीबन 400 लोगों का नेत्र परीक्षण किया एवं आई ड्राप वितरित किए। इस सेवा कार्य में अध्यक्ष महेंद्र चोरड़िया, चेयरमैन शांतिलाल खिवेसरा, उपाध्यक्ष व प्रोजेक्ट चेयरमैन पवन छाजेड़, मंत्री चन्द्रकान्त रुणवाल, सहमंत्री रोशन कांकरिया, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र भण्डारी आदि सदस्यों ने सेवाएं दी। अशोक संचेती ने डॉ अग्रवाल हास्पिटल व सुनील लोढ़ा की टीम को धन्यवाद दिया।

चैत्री पूर्णिमा की आराधना, शत्रुंजय गिरिराज की भावयात्रा सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी में नवपद ओली के आखिरी दिन तप पद की आराधना करवाते हुए गणिवर्य मनीषप्रभ सागरजी ने कहा कि तप जीवन का अमृत है। जैसे अमृत मिलने पर मृत्यु का डर समाप्त हो जाता है, वैसे ही हमारे जीवन में तप रूपी अमृत आने पर जीवन अमर हो जाता है। जैसे दूध को तपाने से मलाई, अन्न को तपाने से स्वादिष्ट भोजन, सोने को तपाने से आभूषण बन जाता है, वैसे ही शरीर को तप की अग्नि द्वारा तपाने से हमारे कर्म रूपी मैल क्षय होने लगते हैं। परमात्मा महावीर जानते थे कि उन्हें उसी भव में मोक्ष जाना है। फिर भी घाती कर्मों का क्षय करने के लिए दीक्षा लेकर एकमात्र तप धर्म का ही सहारा लिया। साढ़े बारह वर्ष तक भूमि पर बैठे और सोए नहीं। तप की साधना तभी फलीभूत हुई और सभी घाती कर्मों का क्षय कर उन्होंने केवलज्ञान को प्राप्त किया। तप चरित्र को चमकाने वाला है। कर्म निर्जरा कराने वाला है। जीव मात्र तप की आराधना कर सके इसलिए ऐसे तप 12 प्रकार का बताए गए है। अनशन (सभी प्रकार के आहार का त्याग), ऊणोदरी (भूख से कम खाना), खाने वस्तुओं में मर्यादा करना, रस वाली वस्तुओं का त्याग करना और ज्यादा से ज्यादा आराधना करना ही तप है।

जिनशासन में नवपद आराधना का अनूठा स्थान है। बाकी बहुत सारे पर्व वर्ष में केवल एक बार आते हैं, जबकि यह ओलीजी पर्व वर्ष में दो बार आता है। संसार से बाहर निकलना हो तो नवपद की साधना से निकला जा सकता है। बिना तप के कोई भी चरित्रवंत आत्मा उपदेश नहीं देता। चैत्री पूर्णिमा के विशेष दिन मलयप्रभ सागर जी द्वारा आराधना और शत्रुंजय गिरिराज की भावयात्रा कराई गई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**